सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

रोहित को अस्पताल में देखकर प्रशंसक हुए चिंतित -पेज: 7

'द बंगाल फाइल्स में सिमरत कौर की दमदार एक्टिन -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 153 | बुधवार 10 सितंबर 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

ममता ने लोगों से हिंसा प्रभावित नेपाल से लगी सीमा पर शांति बनाए रखने की अपील

कोलकाता (एजेंसी): पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को नेपाल की सीमा से लगे उत्तरी जिलों के लोगों से पड़ोसी देश में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों के मद्देनजर शांति बनाए रखने का आग्रह किया। नेपाल में मंगलवार को दूसरे दिन भी हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी रहे, सार्वजनिक सभाओं पर लगे प्रतिबंधों का उल्लंघन करते हुए प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली के इस्तीफे की मांग की और कई राजनीतिक नेताओं के आवासों में तोड़फोड़ की। ओली ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। ममता ने उत्तर बंगाल के प्रशासनिक दौरे पर रवाना होने से पहले कोलकाता हवाई अड्डे पर कहा, हम नेपाल, श्रीलंका और बांग्लादेश से प्यार करते हैं। हम सभी सीमावर्ती देशों से प्यार करते हैं। मैं सिलीगुड़ी, कलिम्पोंग और नेपाल सीमा के पास के अन्य इलाकों के निवासियों से भी शांति बनाए रखने और तनाव पैदा करने वाली गतिविधियों से बचने का आग्रह करती हूं।

पीएम मोदी ने हिमाचल के आपदा प्रभावित इलाकों का किया हवाई दौरा, 1,500 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद का किया ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बादल फटने, भारी बारिश और भूस्खलन से प्रभावित क्षेत्रों में हुए नुकसान और बाढ़ की स्थिति की समीक्षा के लिए राज्य का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने राहत और पुनर्वास कार्यों को गति देने के साथ-साथ प्रभावित लोगों के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक में राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की प्रधानमंत्री ने सबसे पहले हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद, कांगड़ा में एक आधिकारिक बैठक में उन्होंने राहत और पुनर्वास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और राज्य में हुए नुकसान का आकलन किया। इस बैठक में हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम

रूप से जारी की जाएगी प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश के लिए 1,500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूरी, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट भी जारी किए जाएंगे। यह कदम किसानों को उनकी आजीविका बहाल करने में मदद करेगा मदद पीएमओ के अनुसार, कृषि समुदाय की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए, उन किसानों के लिए विशेष सहायता प्रदान की जाएगी, जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। यह कदम किसानों को उनकी आजीविका बहाल करने में मदद करेगा, जो बाढ़ और भूस्खलन से बुरी तरह प्रभावित हुई है। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत क्षतिग्रस्त मकानों की जियो-टैगिंग की जाएगी। शिक्षा को निर्बाध रखने के लिए उठाया यह कदम इसके अलावा, शिक्षा को निर्बाध रखने के लिए, स्कूलों को नुकसान की जानकारी देने और जियो-टैगिंग करने की सुविधा दी जाएगी। इससे शिक्षा अभियान के तहत समय पर सहायता सुनिश्चित होगी। हिमाचल में 500 से अधिक स्कूलों को नुकसान पहुंचा है, और इस कदम से उनकी मरम्मत और पुनर्निर्माण में तेजी आएगी।भविष्य में जल संकट से निपटने में मिलेगी सहायता बाढ़ के बाद जल प्रबंधन को बेहतर करने के लिए जल संचयन संरचनाओं का निर्माण किया जाएगा। ये संरचनाएं वर्षा जल को संग्रहित और संरक्षित करने में मदद करेंगी, जिससे भूजल स्तर में सुधार होगा और भविष्य में जल संकट से निपटने में सहायता मिलेगी। मृतकों के परिजनों को 2 लाख और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपए अनुग्रह राशि देने की घोषणा की पीएमओ की तरफ से यह भी जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ और प्राकृतिक आपदा में मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपए और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपए की अनुग्रह राशि देने की भी घोषणा की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि आपदा प्रबंधन नियमों के तहत सभी प्रकार की सहायता प्रदान की जा रही है, जिसमें राज्यों को अग्रिम राशि का भुगतान भी शामिल है। केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए करेगी हर संभव प्रयास उन्होंने तत्काल राहत और बचाव कार्यों में एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सेना, राज्य प्रशासन और अन्य सेवा-उन्मुख संगठनों के कर्मियों के प्रयासों की सराहना की। केंद्र सरकार राज्य के ज्ञापन और केंद्रीय टीमों की रिपोर्ट के आधार पर आकलन की आगे समीक्षा करेगी।उन्होंने स्थिति की गंभीरता को स्वीकार किया और आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार स्थिति से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

1,500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की....

1,500 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता की घोषणा की। एसडीआरएफ और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मंजूरी, राष्ट्रीय राजमार्गो का जीर्णोद्धार, प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष के तहत राहत का प्रावधान और पशुधन के लिए मिनी किट भी जारी किए जाएंगे

पंजाब में बाढ़ पीड़ितों का दर्द जानने पहुंचे पीएम मोदी, 1600 करोड़ रुपये की केंद्रीय सहायता का ऐलान

गुरदासपुर (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पंजाब के लिए 1600 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की, जो राज्य के खजाने में पहले से मौजूद 12,000 करोड़ रुपये के अतिरिक्त है। एसडीआरएफ और पीएम किसान सम्मान निधि की दूसरी किस्त अग्रिम रूप से जारी की जाएगी। प्रधानमंत्री ने पूरे क्षेत्र और उसके लोगों की मदद के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। इसमें पीएम आवास योजना के तहत घरों का पुनर्निर्माण, राष्ट्रीय राजमार्गों का जीर्णोद्धार, स्कूलों का पुनर्निर्माण, पीएमएनआरएफ के माध्यम से राहत प्रदान करना और पशुओं के लिए

मिनी किट वितरित करना जैसे उपाय शामिल होंगे। पीएमओ ने बताया कि कृषि समुदाय को सहायता प्रदान करने की महत्वपूर्ण आवश्यकता को समझते हुए, विशेष रूप से उन किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान की जाएगी जिनके पास वर्तमान में बिजली कनेक्शन नहीं हैं। जिन बोरों में गाद भर गई है या जो बह गए हैं, उनके नवीनीकरण के लिए राज्य सरकार के विशिष्ट प्रस्ताव के अनुसार, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत परियोजना मोड पर सहायता प्रदान की जाएगी। डीजल से चलने वाले बोर पंपों के लिए, सौर पैनलों के लिए एमएनआरई के साथ अभिसरण और प्रति बूंद अधिक फसल दिशानिदेर्शों के तहत सूक्ष्म सिंचाई के लिए सहायता प्रदान की जाएगी। इसमें कहा गया है कि प्रधानमंत्री आवास योजना - ग्रामीण के अंतर्गत, पंजाब सरकार द्वारा प्रस्तुत "विशेष परियोजना" के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त हुए पात्र परिवारों को घरों के पुनर्निर्माण हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। पंजाब में हाल ही में आई बाढ़ में क्षतिग्रस्त हुए सरकारी स्कूलों को समग्र शिक्षा अभियान के अंतर्गत वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। राज्य सरकार को दिशानिदेर्शों के अनुसार सभी आवश्यक सहायक जानकारी प्रदान करनी होगी। जल संचय जन भागीदारी कार्यक्रम के अंतर्गत पंजाब में जल संचयन हेतु पुनर्भरण संरचनाओं का निर्माण बड़े पैमाने पर किया जाएगा।

सीट बंटवारे से पहले नीतीश का बड़ा दांव, जदयू ने राजपुर से घोषित किया अपना पहला उम्मीदवार

बिहार (एजेंसी): आगामी बिहार विधानसभा चुनावों के लिए एनडीए सहयोगियों के साथ सीट बंटवारे की बातचीत से पहले जेडी(यू) ने अपनी दावेदारी पेश कर दी है। पार्टी प्रमुख और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजपुर सीट के लिए एकतरफा उम्मीदवार की घोषणा कर दी है। कुछ दिन पहले ही पार्टी ने कहा था कि वह भाजपा से कम से कम एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़ना चाहती है। बक्सर में एक पार्टी बैठक में, मंच पर वरिष्ठ भाजपा नेता और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के साथ मौजूद नीतीश ने पूर्व मंत्री संतोष कुमार निराला को राजपुर से जेडी(यू) का उम्मीदवार घोषित किया। राजपुर एक अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र है। यह घोषणा भाजपा, जदयू, लोजपा (रालोद),

हम और रालोद सहित एनडीए सहयोगियों के बीच औपचारिक सीट बंटवारे से पहले हुई। नीतीश ने बक्सर जिले में एक 'कार्यकर्ता संवाद' के दौरान यह घोषणा की। निराला के नाम की घोषणा होते ही सभा स्थल "निराला ज़िंदाबाद" और "हमारा नेता कैसा हो, निराला जैसा हो" जैसे नारों से गूंज उठा। निराला को मंच पर बुलाकर, नीतीश ने कार्यकर्ताओं से चुनाव में उनका समर्थन करने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह एक अच्छे इंसान हैं और पहले मेरे मंत्रिमंडल में परिवहन मंत्री रह चुके हैं। निराला पहली बार 2010 में राजपुर से विधायक चुने गए और 2015 में फिर से जीते, लेकिन 2020 के विधानसभा चुनाव में, जब जदयू ने भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, कांग्रेस उम्मीदवार विश्वनाथ राम से हार गए। हार के बावजूद, नीतीश ने निराला को कुछ समय के लिए महादलित आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया। एक वरिष्ठ जदयू नेता ने बताया कि इस बार उनकी उम्मीदवारी जमीनी स्तर की प्रतिक्रिया पर आधारित बताई जा रही है। इससे पहले, नीतीश ने बक्सर जिले में 325 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें सड़क विस्तार कार्य और भारत रत्न से सम्मानित महान संगीतकार उस्ताद बिस्मिल्लाह खान के नाम पर एक विश्वविद्यालय की स्थापना शामिल है। इस अवसर पर बोलते हुए, नीतीश ने कार्यकताओं को याद दिलाया कि चुनाव बस कुछ ही महीने दूर हैं। उन्होंने कहा, "याद रखें कि आपका समर्थन पार्टी के कई उम्मीदवारों को राज्य विधानसभा में पहुँचाएगा। राज्य को आगे बढ़ाने के लिए

वोट चोर गद्दी छोड़ अभियान में जुटी कांग्रेस, चुनाव आयोग और बीजेपी पर बरसे सचिन पायलट

छत्तीसगढ़ (एजेंसी): कांग्रेस नेता और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट ने मंगलवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के खिलाफ राज्य स्तरीय वोट चोरी अभियान का नेतृत्व किया और मांग की कि कथित चुनावी गड़बड़ियों के लिए ज़िम्मेदार लोग तुरंत गद्दी छोड़ दें। पायलट ने पूरे छत्तीसगढ़ में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान को तेज करने की घोषणा की। बिलासपुर में बोलते हुए, पायलट ने कहा, "हम पूरे राज्य में 'वोट चोर, गद्दी छोड़' अभियान को आगे बढ़ाएँगे। हम लोगों में जागरूकता फैलाएँगे। यह अभियान छत्तीसगढ़ में कई दिनों तक चलेगा और हम सरकार को अपनी आवाज सुनने के लिए मजबूर करेंगे। बिहार में कांग्रेस पार्टी ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में 16 दिनों की यात्रा का नेतृत्व किया, जिसका उद्देश्य भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा कथित 'वोट चोरी' और भारतीय चुनाव आयोग

(ईसीआई) द्वारा मतदाता सूची में कथित अनियमितताओं को उजागर करना था। यह यात्रा सोमवार को पटना में संपन्न हुई। यह अभियान 17 अगस्त को शुरू हुआ, जब राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव ने सासाराम से एक साथ यात्रा का संचालन किया। वहाँ से, यह रैली 25 जिलों से होते हुए औरंगाबाद, गयाजी, सीवान और अन्य जिलों तक पहुँची। समापन के दिन, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता यूसुफ पठान और ललितेश पति त्रिपाठी, शिवसेना यूबीटी सांसद संजय राउत भी पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व वाली मतदाता अधिकार यात्रा में शामिल हुए। कई अन्य भारतीय ब्लॉक नेताओं ने भी विभिन्न स्थानों पर भाग लिया। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव, भाकपा (माले) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन रैली में शामिल हुए। कर्नाटक के सिद्धारमैया, हिमाचल प्रदेश के सुखविंदर सुखू और तेलंगाना के रेवंत रेड्डी सहित विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने यात्रा में भाग लिया।

उमर अब्दुल्ला की पीएम मोदी से अपील: जम्मू-कश्मीर का दौरा करें तो बहुत अच्छा होगा

नई दिल्ली (एजेंसी): जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा बाढ़ और भूस्खलन से हुए नुकसान की समीक्षा के बाद, अगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी केंद्र शासित प्रदेश का दौरा करें तो यह फायदेमंद होगा। सीएम अब्दुल्ला ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह बाढ़ से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए पहले ही जम्मू-कश्मीर का दौरा कर चुके हैं। उन्होंने जम्मू में एक समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। अगर प्रधानमंत्री मोदी भी जम्मू-कश्मीर का दौरा करें तो यह बहुत अच्छा होगा। अब्दुल्ला ने आगे कहा कि हमें राहत महसूस हो रही है कि केंद्रीय टीमें भारी बारिश और भूस्खलन से हुए नुकसान का आकलन करने के लिए जम्मू-कश्मीर का दौरा कर रही हैं। भारी बारिश, बादल फटने और भूस्खलन की घटनाओं के बीच स्थिति का जायजा लेने के लिए अमित शाह 1 से 2 सितंबर तक जम्मू में थे। उन्होंने जम्मू के मंगू चक गाँव में बाढ़ प्रभावित लोगों से भी मुलाकात की। उन्होंने

बिक्रम चौक स्थित तवी पुल, शिव मंदिर और जम्मू में बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए घरों का निरीक्षण किया। केंद्र ने एसडीआरएफ के लिए 209 करोड़ रुपये की धनराशि जारी की है। इससे पहले, जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने उधमपुर के थरद गाँव का दौरा किया और राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों की समीक्षा की। हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण हुए बड़े पैमाने पर भूस्खलन के बाद, जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) पिछले आठ दिनों से पूरी तरह से बंद है। उपराज्यपाल को राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के क्षेत्रीय अधिकारी, जम्मू-कश्मीर, आरएस यादव ने राष्ट्रीय राजमार्ग की शीघ्र बहाली के लिए कर्मियों और मशीनरी की तैनाती के बारे में जानकारी दी। बताया गया कि टीम चौबीसों घंटे काम कर रही है और जल्द ही एक लेन यातायात के लिए खोल दी जाएगी। उपराज्यपाल ने प्रभावित परिवारों से भी बातचीत की और उनका हालचाल पूछा। इससे पहले, उपराज्यपाल ने उधमपुर के जाखनी स्थित गुज्जर बकरवाल छात्रावास में स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर का दौरा किया और बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए शिविर में उपलब्ध कराई गई स्वास्थ्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। बलवंत सिंह मनकोटिया, चेनानी से विधायक; पवन कुमार गुप्ता, उधमपुर पश्चिम से विधायक; रमेश कुमार, संभागीय आयुक्त, जम्मू; भीम सेन टूटी, आईजीपी जम्मू; डॉ. सैयद आबिद रशीद शाह, सचिव, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा; सारा रिजवी, डीआईजी उधमपुर-रियासी रेंज; सलोनी राय, उपायुक्त उधमपुर; अमोद नागपुरे अशोक, एसएसपी उधमपुर और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपराज्यपाल के साथ थे।

ऑपरेशन सिंदूर 4 दिनों में ही क्यों खत्म हो गया? आर्मी चीफ ने बताई वजह और युद्ध लड़ने के लिए तीन अहम पहलू

नई दिल्ली (एजेंसी): मई 2025 में भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ किए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद कई सवाल उठे कि यह सैन्य कार्रवाई महज चार दिनों में ही क्यों समाप्त हो गई। मंगलवार को थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने इन सवालों का जवाब देते हुए युद्ध की अनिश्चितता और इसके पीछे के रणनीतिक पहलुओं को स्पष्ट किया। एआईएमए के 52वें नेशनल मैनेजमेंट कन्वेंशन में बोलते हुए जनरल द्विवेदी ने कहा, "हममें से ज्यादातर लोग यही कह रहे थे कि यह युद्ध चार दिन के टेस्ट मैच की तरह क्यों खत्म हो गया? हमें नहीं पता था कि यह संघर्ष कितने दिन चलेगा।" उन्होंने बताया कि सशस्त्र बल इस बात को लेकर अनिश्चित थे कि ऑपरेशन कितने समय तक चलेगा। लंबे युद्ध के लिए तीन अहम पहलू आर्मी चीफ ने युद्ध को लंबे समय तक जारी रखने के लिए तीन प्रमुख पहलुओं पर जोर दिया: फोर्स विजुअलाइजेशन (बल की योजना): युद्ध की रणनीति और संसाधनों का सटीक आकलन। फोर्स प्रोटेक्शन (बल की सुरक्षा): दुश्मन के हमलों को झेलने और जवाबी कार्रवाई की क्षमता। फोर्स एप्लिकेशन (बल का प्रभावी उपयोग): संसाधनों और तकनीक का सही इस्तेमाल। उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध का उदाहरण देते हुए कहा कि रूस ने शायद अपनी योजना में गलत गणना की थी।

शुरूआत में माना गया था कि यह युद्ध 10 दिनों में खत्म हो जाएगा, लेकिन यह लंबा खिंच गया। वहीं, ईरान-इराक युद्ध 10 साल तक चला। जनरल द्विवेदी ने कहा, "ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी हमें नहीं पता था कि यह कितने दिन चलेगा। युद्ध हमेशा अनिश्चित होता है।" डेविड बनाम गोलियथ: तकनीक का महत्व आधुनिक युद्ध में कम लागत वाली उन्नत तकनीक की भूमिका पर जोर देते हुए जनरल द्विवेदी ने डेविड और गोलियथ सिद्धांत का जिक्र किया। उन्होंने कहा, "कम लागत वाली उन्नत तकनीक किसी बड़े और ताकतवर विरोधी को भी मात दे सकती है।" उन्होंने बताया कि रूस-यूक्रेन युद्ध में भी ऐसी तकनीकों का प्रभाव देखा गया। सुरक्षा और आत्मनिर्भरता पर जोर थलसेना प्रमुख ने बल की सुरक्षा को युद्ध का एक महत्वपूर्ण पहलू बताया। उन्होंने कहा, "हमें दुश्मन के हमलों को झेलने और उसके बाद प्रभावी कार्रवाई करने में सक्षम होना चाहिए।" इसके साथ ही, उन्होंने तकनीकी उन्नति और आत्मनिर्भरता पर बल दिया। "जैसे-जैसे दुश्मन अपनी तकनीक को बेहतर बनाता है, हमें अपनी क्षमताओं को और मजबूत करना होगा। आत्मनिर्भरता इस दिशा में सबसे अहम कदम है।" ऑपरेशन सिंदूर का विवरण 7 मई 2025 को शुरू हुआ ऑपरेशन सिंदूर 22 अप्रैल को हुए पहलगाम हमले का जवाब था, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान में कई आतंकवादी ठिकानों को नष्ट किया। पाकिस्तानी बलों के जवाबी हमलों के बाद भारतीय सेना ने पलटवार किया, जिसके चलते यह संघर्ष चार दिनों तक चला। 10 मई की शाम को दोनों पक्षों के बीच समझौते के बाद सैन्य कार्रवाई रोक दी गई। जनरल द्विवेदी के बयान ने न केवल ऑपरेशन सिंदूर की रणनीति को स्पष्ट किया, बल्कि भविष्य के युद्धों में तकनीक, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता की अहमियत को भी रेखांकित किया।

मई 2025 में हुए ऑपरेशन सिंदूर की चार दिन की सैन्य कार्रवाई को लेकर उठ रहे सवालों पर थलसेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने जवाब दिया। उन्होंने युद्ध की अनिश्चितता, रणनीति, और लंबी लड़ाई के तीन महत्वपूर्ण पहलू—फोर्स विजुअलाइजेशन, प्रोटेक्शन और...

संपादकीय

आपदा का अपराधी पहाड़ ही क्यों

सडक पर विकराल होती बारिश ने कहर ढहाया या विकास ने आगे दौड़ पीछे चौड़ कर दी। जो भी हो मुसीबत के इस समय आंखों में सुरमा लगाए भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने पहाड़ के पत्थर नहीं कोसे, बल्कि कोसी लापरवाही जो जिंदा विकास के मुर्दाघरों को नीलाम करने पर तुली रही। गडकरी ने फोरलेन की डीपीआर के कान पकड़े हैं, तो हिमाचल को भी विकास के आईने साफ कर लेने चाहिएं। केंद्रीय मंत्री ने न आपदा के बीच क्रंदन किया और न ही तोहमतें इधर उछालीं, बल्कि पहाड़ पर निर्माण की ऐसी व्याख्या की जो विज्ञान और विमर्श के बीच अगली कई सदियों को माप सकती है, बशर्ते हर इंच पर आगे बढ? की चुनौती को समझा जाए। अभी तो हमने पहाड़ पर विकास को केवल चिना है, न कि पहाड़ के लायक विकास को चुना है। पर्वतीय विकास की जिस इंजीनियरिंग की तरफ नितिन गडकरी इशारा कर रहे हैं, वह तो अभी शुरू ही नहीं हुई। फोरलेन परियोजनाओं के संदर्भ में केंद्रीय मंत्री का खुलासा सरासर लापरवाही तथा सार्वजनिक धन की सौदेबाजी है, लेकिन यह एक नियम के तहत बने तो मजमून बदलेगा। इस वक्त जलवायु परिवर्तन की सारी चुनौतियों का ठीकरा पहाड़ के सिर पर फोड़ा जा रहा है, क्योंकि देश आफत को समझने में अभी तक सचेत नहीं हुआ। आपदा का अपराधी हिमाचल ही क्यों बने। बेशक पहाड़ों को चीरा जा रहा है ताकि धूप आए और परिश्रम के गंतव्य में आर्थिक भूख मिट जाए, लेकिन यहां हर पेड़ अवैध तरीके से नहीं कटता। पेड़ भी काटता है हमारी रोजी रोटी और कहीं अचानक गिरकर तोड़ देता है जीने की राह पर सारी हड्डियां। जंगल या तो ज्यादा जंगली हो गए या जंगल को पर्यावरण का एकमात्र चिन्ह-प्रतीक मानने वालों ने सारे ताले पर्वतीय राज्यों पर लगा दिए। अपराधी पर्वत, जिसने अपनी तकदीर को जंगल बना लिया, उसे क्या मालूम बादलों का खेल। क्या समुद्र ने अपने भीतर सारी गर्मी को पहाड़ की तरफ धकेल दिया। क्या मैदानी इलाके जब तपते हैं तो किसी ने पर्वत को रोका कि अपने हिमनद को मत पिघलाओ। पर्वत की छाती से निकलती नदियों को देश की लू जब सुखाती है, तो कौन मैदानी इलाकों को कहता है कि पर्यावरण के लिए प्रचंड गर्मी को रोको। क्या बरसात के दो-तीन महीनों में ही पर्यावरण का चिंतन मनन का दरिया बहने लगता है। शेष नौ महीनों के पर्यावरण संरक्षण के लिए कौन दोषी। हिमाचल-उत्तराखंड की तरह सभी राज्यों को भी निर्देश दीजिए कि सभी आइंदा 70 फीसदी क्षेत्र में केवल वन उगाएं। हिमाचल के पड़ोसी मैदानी राज्य अगर 70 फीसदी जमीन में जंगलों की पैमाइश करें, तो मालूम हो जाएगा पर्यावरण संरक्षण की धार कितनी नुकीली और कितने दबाव से भरी होती है।

चिंतन-मनन

सृष्टि के परम स्वामी कृष्ण

मनुष्य को जानना चाहिए कि भगवान कृष्ण ब्रह्मांड के सभी लोकों के परम स्वामी हैं। वे सृष्टि के पूर्व थे और अपनी सृष्टि से भिन्न हैं। सारे देवता इसी भौतिक जगत में उत्पन्न हुए, किंतु कृष्ण अजन्मा हैं, फलतः वे ब्रह्मा और शिव जैसे देवताओं से भी भिन्न हैं। और चूंकि वे ब्रह्मा, शिव तथा अन्य समस्त देवताओं के स्रष्टा हैं अतः समस्त लोकों के परम पुरुष हैं। परमेश्वर का ज्ञान प्राप्त करने के लिए मनुष्य को समस्त पापकर्मो से मुक्त होना चाहिए। जैसे कि भगवद्गीता में कहा गया है, उन्हें केवल भक्ति के द्वारा जाना जा सकता है, किसी अन्य साधन से नहीं। मनुष्य को चाहिए कि वह कृष्ण को साधारण मनुष्य न समझे।

इस जगत में शुभ या अशुभ वस्तुओं का बोध बहुत कुछ मनोधर्म है क्योंकि इस भौतिक जगत में कुछ भी शुभ नहीं है। प्रत्येक वस्तु अशुभ है। क्योंकि प्रकृति स्वयं अशुभ है। हम इसे शुभ मानने की कल्पना मात्र करते हैं। वास्तविक मंगल तो पूर्ण भक्ति और सेवाभाव से युक्त कृष्णभावनामृत पर ही निर्भर करता है। अतः यदि हम तनिक भी चाहते हैं कि हमारे कर्म शुद्ध हों, तो हमें परमेश्वर की आज्ञा से कर्म करना होगा। ऐसी आज्ञा श्रीमद्भागवत तथा श्रीमद्गीता जैसे शास्त्रों या प्रामाणिक गुरु से प्राप्त की जा सकती है। चूंकि गुरु भगवान का प्रतिनिधि होता है, अतः उसकी आज्ञा प्रत्यक्षतः परमेश्वर की आज्ञा होती है। गुरु, साधु तथा शास्त्र एक ही प्रकार से आज्ञा देते हैं। इन तीनों स्रोतों में कोई विरोध नहीं होता। कर्म संपन्न करते हुए भक्त की दिव्य मनोवृत्ति वैराग्य की होती है, जिसे संन्यास कहते हैं। जैसा कि भगवद्गीता के छठे अध्याय के प्रथम श्लोक में कहा गया है कि जो भगवान का आदेश मानकर कोई कर्त्तव्य करता है और जो अपने कर्मफलों की शरण ग्रहण नहीं करता, वही असली संन्यासी है। जो भगवान के निदेर्शानुसार कर्म करता है, वास्तव में संन्यासी और योगी वही है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती?

एडवोकेट किशन सनमुखदास

बाजार जगत व व्यावसायिक वर्ग अलर्ट मोड पर रहें वित्तमंत्री का सख़्त रुख-कर कटौती का लाभ आम जनता तक पहुंचानें व्यक्तिगत रूप निगरानी का ऐलान!

22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलनें की तैयारी -केंद्रीयमंत्री का सख़्त रुख और निगरानी का ऐलान- सांसदों और सीबीआईसी की जिम्मेदारी

भारत की आर्थिक संरचना में जीएसटी (वस्तु एवं सेवा कर) सुधारों को ऐतिहासिक मील का पत्थर माना जाता है। 2017 में जब इसे लागू किया गया था तो इसका मुख्य उद्देश्य था-'एक राष्ट्र,एक टैक्स' की अवधारणा के तहत पूरे देश को एकीकृत करना और कर ढांचे की जटिलताओं को कम करना। अब 2025 में, सरकार ने जीएसटी सुधारों की नई श्रृंखला लागू करते हुए कई वस्तुओं पर कर दरों में कटौती की है।यह कदम सीधे तौर पर महंगाई से जूझ रहे मध्यम वर्ग और गरीब वर्ग को राहत देने वाला माना जा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि क्या ये कर कटौती का लाभ वास्तव में आम जनता तक पहुंचेगा? क्या व्यवसायी वर्ग इस राहत को उपभोक्ताओं तक पारदर्शिता के साथ पहुंचाएंगे? और क्या अंतरराष्ट्रीय दबावों जैसे ट्रंप प्रशासन के 50 पर्सेंट टैरिफ फैसलों का कोई प्रभाव इन सुधारों पर पड़ा है?मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सरकार के सामने सबसे बड़ी चुनौती हैं जीएसटी दरों में कटौती से तुरंत उपभोक्ताओं को लाभ मिलना चाहिए, क्योंकि कर घटने पर वस्तुओं और सेवाओं की कीमतें घटनी चाहिए। लेकिन व्यवहारिक धरातल पर स्थिति इतनी सरल नहीं होती।बाजार में अक्सर देखा गया है कि व्यापारी या निमार्ता अपने मार्जिन को बनाए रखने के लिए कीमतों में उतनी कटौती नहीं करते, जितनी कर दरों में कमी हुई है। उदाहरण के लिए, यदि किसी वस्तु पर पहले 18 पर्सेंट जीएसटी था और अब उसे 12 पर्सेंट या जीरो कर स्लैब में लाया गया है, तो कीमत में 6 पर्सेंट या 18 पर्सेंट की कटौती होनी चाहिए। लेकिन कई बार यह अंतर उपभोक्ताओं तक मात्र 2-3 पर्सेंट ही पहुंचता है। यही कारण है कि आम जनता के मन में भ्रम बना हुआ है कि क्या यह सुधार वास्तव में उनके लिए हैं या केवल उद्योग जगत के लिए।इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे जीएसटी सुधार 2025-जीएसटी कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुँचना सबसे बड़ी चुनौती

साथियों बात अगर हम केंद्रीय वित्तमंत्री के 6 सितंबर 2024 को सख्त रुख और निगरानी के ऐलान की करें तो उन्होंने इन आशंकाओं को ध्यान में रखते हुए स्पष्ट कहा है कि वह व्यक्तिगत रूप से व्यवसायों द्वारा उपभोक्ताओं को लाभ पहुँचाने की प्रक्रिया की निगरानी करेंगी। यह बयान जनता में विश्वास जगाने वाला है, क्योंकि पहली बार किसी केंद्रीयमंत्री ने इतनी सख्ती से कहा है कि वह लाभ आम जनता तक पहुंचाने के लिए प्रत्यक्ष रूप से नजर रखेंगी। उन्होंने साफ कहा है कि 22 सितंबर के बाद बहुत बड़ा सतर्कता अभियान चलाया जाएगा,ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कर कटौती का असर कीमतों पर दिखे।सरकार ने इस निगरानी अभियान को केवल वित्त मंत्रालय तक सीमित नहीं रखा है। सांसदों को भी अपने-अपने क्षेत्रों में बाजार दरों की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही, केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) इनको सख़्ती से अगले एक से डेढ़ महीने तक सतत निरीक्षण का काम सौंपा गया है। सीबीआईसी यह देखेगा कि कर कटौती का असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ रहा है या नहीं। इस तरह एक बहु-स्तरीय निगरानी तंत्र बनाया गया है ताकि कहीं भी लापरवाही या हेराफेरी की गुंजाइश न रहे।

साथियों बात अगर हम सरकार के कड़क संदेश की करें तोह्नलाभ न पहुँचाना बर्दाश्त नहीं किया जाएगाह्न स्पष्ट वक्तव्य कि लाभ पहुंचाने में किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी, बाजार जगत को सीधा संदेश देता है। इससे यह उम्मीद की जा रही है कि व्यवसायिक वर्ग सावधानी बरतेगा और उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने में सहयोग करेगा।यह बयान केवल एक चेतावनी नहीं,बल्कि सरकार की उस गंभीरता का प्रतीक है जो वह जनता को राहत देने के लिए दिखा रही है।

साथियों बात अगर हम उपभोक्ताओं को भी जागृत होने की करें तो,सिर्फ सरकार की निगरानी ही पर्याप्त नहीं है। उपभोक्ताओं को भी जागरूक होना होगा कि वे बाजार में घटे हुए कर दरों का लाभ पा रहे हैं या नहीं। यदि व्यापारी कीमत कम नहीं करता तो उपभोक्ता को शिकायत दर्ज कराने का अधिकार है। भारत में उपभोक्ता अदालतें और हेल्पलाइन मौजूद हैं, लेकिन अक्सर लोग उनका उपयोग नहीं करते। जीएसटी सुधारों का असली फायदा तभी मिलेगा जब जनता भी सक्रिय होकर अपने अधिकारों के लिए खड़ी होगी।डिजिटल बिलिंग और ई-इनवॉयसिंग व्यवस्था जीएसटी सुधारों को और प्रभावी बनाती है।अब हर लेनदेन की डिजिटल रिकॉर्डिंग होने लगी है, जिससे कर चोरी की संभावना कम होती है। इससे यह भी आसान हो जाएगा कि कर दरों में कटौती का लाभ उपभोक्ता कीमतों में परिलक्षित हो रहा है या नहीं। सरकार को चाहिए कि वह डिजिटल ट्रैकिंग का इस्तेमाल कर कीमतों की वास्तविक स्थिति पर नजर रखे।

साथियों बात अगर हम जीएसटी 1.0 से जीएसटी 3.0 तक का सफर की करें तो,वित्त मंत्री ने खुद स्वीकार किया कि जीएसटी 1.0 (2017) का उद्देश्य राष्ट्र को एकीकृत करना था। इसके बाद जीएसटी 2.0 (2025) का फोकस 'सरलता' पर है, ताकि कर ढांचे को आम व्यवसायियों और जनता के लिए आसान बनाया जा सके। उन्होंने संकेत दिया कि जीएसटी 3.0 भविष्य में और भी व्यापक सुधार लेकर आएगा। संभव है कि इसमें पेट्रोलियम उत्पादों और कुछ अन्य जटिल कर ढांचों को भी शामिल किया जाए। इस तरह भारत की कर व्यवस्था धीरे-धीरे अधिक पारदर्शी और उपभोक्ता- हितैषी बन सकती है।भारत जैसे विशाल देश में महंगाई केवल कर ढांचे की वजह से नहीं, बल्कि आपूर्ति श्रृंखला, वैश्विक तेल कीमतों और मौसमी उतार-चढ़ाव पर भी निर्भर करती है। फिर भी कर कटौती से कुछ हद तक राहत मिलना तय है। यदि व्यवसायी वर्ग ईमानदारी से लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाए तो दाल, चीनी, पैक्ड फूड, कपड़े और घरेलू उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में कमी देखी जा सकती है।

पितृ पक्षः जहां श्रद्धा बनती है ऊर्जा और आशीर्वाद बनता है भाग्य

योगेश कुमार गोयल

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया को सर्वोत्तम माना गया है। वैसे हिन्दू धर्म के अलावा ईसाई, इस्लाम और बौद्ध धर्म में भी अपने पूर्वजों को याद रखने की प्रथा है। पश्चिमी जगत में जहां पूर्वजों की स्मृति में मोमबत्तियां जलाने की प्रथा है, वहीं ईसाई धर्म में व्यक्ति के निधन के चालीस दिनों पश्चात सामूहिक भोज की रस्म की जाती है। इस्लाम में चालीस दिनों बाद कब्र पर फातिहा पढ़ने और बौद्ध धर्म में भी पूर्वजों की याद में कुछ ऐसे ही प्रावधान देखने को मिलते हैं।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है। पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। ऋषि ऋण से स्वाध्याय के जरिये, देवऋण से यज्ञ के जरिये और पितृ ऋण से श्राद्ध तथा तर्पण द्वारा मुक्ति प्राप्त हो सकती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार श्राद्ध पक्ष में पितरों से संबंधित कार्य करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। महर्षि वेद व्यास के अनुसार जो व्यक्ति श्राद्ध द्वारा अपने पितरों को संतुष्ट करता है, वह पितृ ऋण से मुक्त होकर ब्रह्मलोक को जाता है।

महर्षि जाबालि के अनुसार अपने पितरों का श्राद्ध करने

वाले व्यक्ति को पुत्र, आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य और इच्छित फल की प्राप्ति होती है। श्राद्ध पक्ष के दौरान दिन में सोना, असत्य भाषण, रति क्रिया, सिर और शरीर पर तेल, साबुन, इत्र आदि लगाना, मदिरापान करना, लड़ाई-झगड़ा, वाद-विवाद, अनैतिक कृत्य तथा किसी भी जीवधारी को कष्ट पहुंचाना निषेध माना गया है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है। पितरों के निमित्त आयोजित किए जाने वाले पितृ पक्ष को आत्मबोध के लिए भी अति उत्तम तथा जीवन के संघर्ष को उत्कर्ष में परिवर्तित करने का समय माना गया है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पूर्वजों तक पहुंचे या न पहुंचे लेकिन यह जीवन में उन्नति और प्रगति के द्वार अवश्य खोल सकता है।

निराशा से आशा की ओरः आत्महत्या के खिलाफ जंग

दुनिया में आत्महत्या आज एक गहरी एवं विडम्बनापूर्ण वैश्विक चुनौती बन चुकी है। हर साल लाखों लोग अपनी ही जिंदगी से हार मान लेते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार हर साल लगभग 7.2 लाख लोग आत्महत्या करते हैं। यह सिर्फ व्यक्तिगत त्रासदी नहीं बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और आर्थिक संकट भी है। 15 से 29 वर्ष की आयु वर्ग में मृत्यु का चौथा सबसे बड़ा कारण आत्महत्या है। यही वजह है कि हर साल 10 सितंबर को विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस मनाया जाता है। 2024 से 2026 तक इसकी थीम 'चेंजिंग द नैरेटिव ऑन सुसाइड' रखी गई है, जिसका उद्देश्य है आत्महत्या पर खामोशी तोड़कर इसे एक निष्क्रिय विषय से संवाद और सहयोग का सक्रिय विषय बनाना। आत्महत्या पर दृष्टिकोण का यह बदलाव आत्महत्या के बारे में लोगों की सोच और बातचीत के तरीके को चुनौती देता है, खुले और ईमानदार संवाद को बढ़ावा देता है जो कलंक को तोड़ता है और समझ को बढ़ावा देता है। आत्महत्या के अलावा जीवन में और भी बेहतर विकल्प हैं। इसके अलावा एक ऐसी समाज-व्यवस्था को बढ़ावा देना है जहां लोग मदद लेने में हिचहिचाए नहीं, बल्कि एक-दूसरे के सहयोग के लिये आगे आये। निश्चित रूप से खुदकुशी सबसे तकलीफदेह हालात के सामने हार जाने का नतीजा होती है और ऐसा फैसला करने वालों के भीतर वंचना का अहसास, उससे उपजे तनाव, दबाव और दुख का अंदाजा लगा पाना दूसरों के लिए मुमकिन नहीं है। आत्महत्या शब्द जीवन से पलायन का डरावना सत्य है जो दिल को दहलाता है, डराता है, खौफ पैदा करता है, दर्द देता है।

आत्महत्या जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी है, यह मनुष्य होने के अर्थ और गरिमा को धूमिल करती है। जब जीवन जीने का साहस कमजोर पड़ता है तो व्यक्ति निराशा और अंधकार में डूबकर स्वयं को समाप्त करने की ओर बढ़ता है। वैश्विक स्तर पर यह एक गंभीर समस्या है, दुनिया भर से आते नए आंकड़े इस चुनौती की गंभीरता को और उजागर करते हैं। 2021 में अनुमानित 7.27 लाख आत्महत्याएं हुईं और विश्व में हर 43 सेकेंड में कोई एक व्यक्ति खुदकुशी कर रहा है। 73 प्रतिशत आत्महत्याएं निम्न एवं मध्यम आय वाले देशों में होती हैं और सबसे अधिक असर युवा और गृहिणियों पर पड़ता है। भारत में राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की 2021 की रिपोर्ट बताती है कि आत्महत्या करने वाली महिलाओं में 51.5 प्रतिशत गृहिणियां थीं। आत्महत्या की दर दो दशकों में 7.9 से बढ़कर 10.3 प्रति एक लाख हो गई है। उत्तराखंड जैसे राज्यों में पारिवारिक कलह आत्महत्या का बड़ा कारण है। युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा क्षमता से अधिक हो चुकी है, पारिवारिक सामंजस्य खत्म हो गया है, असफलता का डर और तनाव सहने की क्षमता कम हो गई है। यही कारण है कि पढ़ाई के दबाव, नौकरी में असफलता, रिश्तों के टूटने और आर्थिक अभाव से युवा और किशोर आत्महत्या की ओर धकेले जा रहे हैं।

भारत में स्थिति और भी चिंताजनक है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में 1,70,924 आत्महत्याएं दर्ज की गईं, जो अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है और आत्महत्या दर 12.4 प्रति लाख जनसंख्या रही। यह दर पिछले वर्षों की तुलना में सर्वाधिक है। इनमें 18 से 45 वर्ष की आयु के लोगों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो दर्शाता है कि देश का युवा और कार्यशील वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित है। राज्यवार आंकड़े भी चिंताजनक हैं-सिक्किम में आत्महत्या दर लगभग 43 प्रति लाख रही जबकि बिहार में यह 1 से भी कम है। आत्महत्या के पीछे अनेक सामाजिक, आर्थिक और मानसिक कारण जुड़े हुए हैं। बेरोजगारी, गरीबी, पारिवारिक कलह, असफल प्रेम, नशे की लत और बीमारियां इसका बड़ा कारण बन रही हैं। मानसिक रोग और अवसाद ने इस समस्या को और गहरा किया है। एनसीआरबी के अनुसार 2018 से 2022 के बीच मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कारणों से आत्महत्या के मामलों में 44 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2022 के आँकड़े बताते हैं कि आत्महत्या के प्रमुख कारणों में 33 प्रतिशत मामले पारिवारिक समस्याओं से जुड़े थे, लगभग 19 प्रतिशत मामले बीमारियों के कारण हुए, जबकि 6-7 प्रतिशत मामले विवाह सम्बन्धी समस्याओं और 6 प्रतिशत मामले ऋण और कर्ज से संबंधित थे। छात्र आत्महत्या का आंकड़ा भी बड़ा चिंताजनक है-2022 में यह कुल आत्महत्याओं का 7.6 प्रतिशत रहा। वैश्विक स्तर पर भी स्थिति गंभीर है, परंतु भारत में यह और ज्यादा जटिल इसलिए है क्योंकि यहां सामाजिक प्रतिस्पर्धा, उपभोक्तावादी जीवनशैली, परिवार का टूटता हुआ ढांचा और आर्थिक असमानता आत्महत्या की प्रवृत्ति को तेज कर रही है। आत्महत्या केवल एक जीवन का अंत नहीं है, बल्कि यह एक पूरे परिवार और समाज की आशाओं का विघटन है।

इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए केवल व्यक्तिगत प्रयास पर्याप्त नहीं हैं बल्कि समाज और सरकार दोनों को संयुक्त रूप से कार्य करना होगा। भारत सरकार ने 2017 में मानसिक स्वास्थ्य अधिनियम पारित करके आत्महत्या प्रयास को अपराध की श्रेणी से बाहर किया और 2020 में 'किरण' नामक राष्ट्रीय हेल्पलाइन शुरू की जो 13 भाषाओं में चौबीसों घंटे सहायता उपलब्ध कराती है। 2022 में राष्ट्रीय आत्महत्या रोकथाम रणनीति बनाई गई जिसका लक्ष्य 2030 तक आत्महत्या दर में 10 प्रतिशत की कमी लाना है। इसमें मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार, परामर्श केंद्रों की स्थापना, रोजगार सृजन, परिवारिक संवाद को मजबूत करना, मीडिया की संवेदनशीलता और सामाजिक सहयोग जैसे उपायों पर जोर दिया गया है। साथ ही स्वयंसेवी संस्थाओं और हेल्पलाइन सेवाओं-जैसे आसरा, वंद्रेवाला, समैरिटन्स मुंबई-की भूमिका भी महत्वपूर्ण है। आत्महत्या को रोकने का सबसे बड़ा उपाय यही है कि व्यक्ति को निराशा के अंधकार में छोड़ने के बजाय उसके जीवन में आशा, साहस और सहयोग का संचार किया जाए क्योंकि कठिनाइयों का समाधान आत्महत्या में नहीं बल्कि संघर्ष, विश्वास और सहारा देने वाले समाज में है।

दुनिया का यह दुखद सच यह भी है कि चिकित्सा विज्ञान की प्रगति से बीमारियों से मरने वालों की संख्या घटी है पर आत्महत्या के कारण मरने वालों की संख्या बढ़ी है। भौतिकवादी जीवनशैली, प्रतिस्पर्धा, अवसाद और असंतुलन ने मनुष्य को भीतर से खोखला बना दिया है। प्रसिद्ध कलाकार, जिनका सार्वजनिक जीवन में हंसता खेलता चेहरा दिखाई देता है, कभी अचानक आत्महत्या कर लेते हैं क्योंकि भीतर का अकेलापन और दबाव उन्हें जीने नहीं देता। सवाल यह है कि जिनके पास साधन और सहयोग की कमी नहीं, वे भी क्यों जिंदगी के उतार-चढ़ाव को बर्दाश्त नहीं कर पाते। किसानों की आत्महत्या, आर्थिक तंगी, व्यापार में नुकसान, रिश्तों का टूटना, तलाक और अभाव की स्थिति आत्महत्या की सबसे बड़ी जड़ें हैं। समाज और परिवार का विघटन भी व्यक्ति को असहाय बना देता है।

आत्महत्या किसी भी सभ्य समाज के माथे पर कलंक है। टॉयनबी ने ठीक ही कहा है कि कोई भी संस्कृति हत्या से नहीं बल्कि आत्महत्या से मरती है। इस स्थिति को बदलना जरूरी है। सरकारों, संगठनों, समुदायों और परिवारों की जिम्मेदारी है कि वे संवाद और सहयोग की संस्कृति को बढ़ावा दें। जब कोई व्यक्ति संकट में हो तो परिवार, दोस्त, पड़ोसी और सहकर्मी उसे अकेला न छोड़ें बल्कि उसका हाथ थामें। हमें एक ऐसी सामाजिक संरचना बनानी होगी जहां मदद मांगना कमजोरी नहीं बल्कि साहस माना जाए। जहां तनाव और अवसाद को गंभीरता से समझा जाए और मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता मिले। जहां बच्चों को बचपन से ही संघर्षों से लड़ने की शिक्षा दी जाए और असफलताओं को जीवन का हिस्सा समझने का दृष्टिकोण विकसित किया जाए। आत्महत्या रोकथाम दिवस हमें यही संदेश देता है कि आत्महत्या से बचा जा सकता है, संवाद और सहयोग से जीवन बदला जा सकता है, और हर व्यक्ति को नई शुरूआत का अवसर दिया जा सकता है। यह दिन हमें यह समझाने आता है कि जिंदगी कठिन जरूर है लेकिन जीने के विकल्प हमेशा मौजूद हैं।

डीएम ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरोहा का किया औचक निरीक्षण

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की जांच के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमरोहा का बारीकी से औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी द्वारा चिकित्सालय के टी0बी0 लैब और दवाई कक्ष, ओपीडी कक्ष, ओ0टी0, एचआईवी0 काउंसलिंग कक्ष, नर्स ड्यूटी कक्ष, फैमिली प्लानिंग कक्ष और टीकाकरण कक्ष सहित पूरे अस्पताल का निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने टी0बी0 लैब के निरीक्षण के दौरान मरीजों टी0बी0 की होने वाली जांचों के बारे में जानकारी लेते हुए प्रतिदिन कितनी जांच हो रही इसकी जानकारी ली। टी0बी0 दवाई कक्षा के निरीक्षण के दौरान इलाजरत मरीजों की संख्या जानने के साथ कोर्स कंप्लीट करने वाले की जानकारी प्राप्त की।ओपीडी कक्ष के निरीक्षण के दौरान उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक से जानकारी प्राप्त की कौन-कौन सी बीमारी के मरीज आते हैं और प्रतिदिन ओपीडी में कितने मरीज आ रहे हैं। उन्होंने आशाओं की होने वाली बैठक और एएनएम की बैठक के बारे में जानकारी लेते हुए नियमित रूप से बैठक कराने के निर्देश दिए। गर्भवती महिलाओं की ऑनलाइन होने वाली फीडिंग की जानकारी लेते हुए इस माह होने वाले होने वाली डिलीवरी के लिए निर्देशित किया कि आशाओं और एएनएम द्वारा ऐसी महिलाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, डिलीवरी से 10 दिन पहले उनसे संपर्क किया जाए और उन्हें सरकारी अस्पताल में डिलीवरी करने के लिए प्रेरित किया जाए। उन्होंने चिकित्सा अधीक्षक को भी संस्थागत प्रसव बढ़ाने के लिए निर्देश देते हुए स्टाफ नर्स वाइज डिलीवरी की मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए। नर्स ड्यूटी रूम में पहुंचकर उपस्थित स्टाफ नर्स से जानकारी ली की अगस्त माह में कितनी डिलीवरी हुई कम डिलीवरी पर नाराजगी जताते हुए बढ़ाने के निर्देश दिए। एचआईवी काउंसलिंग रूम में काउंसलर से मरीज को दी जाने वाली सलाह के साथ कितने मरीज है उनकी जानकारी ली। उन्होंने सीएचओ द्वारा एचआईवी की टेस्टिंग के बाद मरीजों को काउंसलिंग के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए। इसके साथ उन्होंने अस्पताल में आए मरीजों से वार्ता कर वहां पर उपलब्ध सेवाओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने मरीजों से मालूम किया कि यहां पर अल्ट्रासाउंड, जांच, दवाई सब निशुल्क होती है? और कोई शुल्क तो नहीं लिया जाता? जिस पर मरीजों ने बताया कि निशुल्क जांचे होती है और दवाई भी निशुल्क मिलती है। जिलाधिकारी ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि यह अस्पताल सभी सुविधाओं से लैस है, इसमें डिलीवरी कराएं। अस्पताल में डिलीवरी निशुल्क होती है। इसके साथ जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत अन्य फायदे भी मिलते हैं। यहां पर टीकाकरण और जांचे भी निशुल्क होती है। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 उमर फारूक सहित अन्य चिकित्सक एवं स्टाफ उपस्थित रहे।

ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल एवं जे.वी इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों को अमरोहा एसपी ने किया सम्मानित

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल एवं जे वी इंटरनेशनल स्कूल के खिलाड़ियों को अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सम्मानित किया साथ ही उनके द्वारा प्रतियोगिता में दिखाए गए कौशल की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी। बता दें कि इसके बारे में जानकारी देते हुए खिलाड़ियों के कोच अनुज कुमार चौधरी ने बताया कि पीछले दिनों जयपुर में यूपी 48 यूपी 2025 आरएसएससी ओएएसआईएस जगतपुरा, जयपुर में दिनांक 30 अगस्त 2025 से 7 सितंबर 2025 तक प्रतियोगिता हुई जिसमें अमरोहा जनपद के ब्लॉक गजरौला क्षेत्र स्थित ऑक्सफोर्ड इंटरनेशनल स्कूल, जेवी इंटरनेशनल स्कूल व आर के शूटिंग रेंज के सात खिलाड़ियों ने कोच अनुज कुमार चौधरी के नेतत्व में प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर बाजी मारी। जिनको अमरोहा पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद ने सम्मानित किया और खिलाड़ियों के प्रतियोगिता में दिखाए गए कौशल की सराहना करते हुए उनके उज्जवल भविष्य के शुभकामनाएं दी। प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ियों में शरद कुमार पुत्र पंकज कुमार धनौरा,विनायक शर्मा पुत्र रिक्की शर्मा,प्रीत देवल पुत्र निखिल देवल, निशांत चौधरी पुत्र ओमवीर सिंह, आदित्य कुमार पुत्र अनिल कुमार,प्रिंस पुत्र उमेश कुमार व दक्ष चौधरी पुत्र अनुज चौधरी शामिल रहे जिन्होंने प्रतियोगिता में अव्वल आकर अपने कोच और जिले का नाम रोशन किया है ।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला पोषण समिति की बैठक संपन्न

अमरोहा(सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित सभागार में जिला पोषण समिति की बैठक आहूत की गयी जिलाधिकारी ने संभव अभियान 5.0 के अंतर्गत संचालित मिशन 100 के तहत चयनित सभी ग्रामों में वजन और ऊंचाई मापने सहित अन्य सभी आवश्यक उपकरण खरीदने के निर्देश दिए। संभव अभियान के अंतर्गत चिन्हित सैम बच्चों को दी जा रही दवाओं की समीक्षा करने पर धनौरा में कम प्रगति पर एमओआईसी धनौरा का स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए। सभी एमओआईसी को निर्देशित किया कि सभी बच्चों को दवाई समय पर मिले इसे सुनिश्चित किया जाए। एमओआईसी गंगेश्वरी के बैठक से अनुपस्थित रहने पर एक दिन का वेतन रोकने के निर्देश दिए। सैम बच्चों के फॉलोअप में जिन स्थानों पर खराब प्रगति है, सम्बंधित आंगनवाड़ी कार्यकत्री और सहायिका की जिम्मेदारी तय करने के निर्देश दिए। लर्निंग लैब के अंतर्गत 18 पैरामीटर्स पर चल रहे कार्यों में खराब प्रगति पर धनौरा, गजरौला, गंगेश्वरी और हसनपुर बीडीओ के स्पष्टीकरण प्राप्त करने के निर्देश दिए आधारभूत संरचना के तहत केंद्रों पर चल रहे पेयजल, बाला वाटिका, रंगाई पुताई और रैन वाटर हार्वेस्टिंग के कार्यों को शीघ्रता के साथ गुणवत्तापरक तरीके से पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए। पोषण संचेतना अभियान की प्रगति की जानकारी बीएसए प्राप्त करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। पूर्ण आंगनवाड़ी केंद्रों को संबंधित जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में लोकार्पण कराने के निर्देश दिए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ0 सत्यपाल सिंह, पीडी डीआरडीए अम्बरीष कुमार, डीपीओ सहित सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा विभाग की छापेमारी, मिलावट के शक में नमूने जांच को भेजे

बहजोई/संभल(सब का सपना):- जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य पदार्थों में मिलावट रोकने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने 9 सितंबर को बहजोई के इस्लामनगर रोड स्थित काजल एजेंसीज पर छापेमारी की। इस दौरान मंगलदीप ब्रांड के बटर मार्जरीन ब्लेंड की 128 पेटियां मिलीं, जिनमें मिलावट का संदेह होने पर नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए। निरीक्षण में पाया गया कि काजल एजेंसीज के पास केवल फैट और ऑयल बिक्री का लाइसेंस था, लेकिन वहां दाल, चावल, मैदा आदि भी बिक्री के लिए रखे गए थे, जो नियमों का उल्लंघन है। इनके बिक्री पर तत्काल रोक लगा दी गई है।

साथ ही, खाद्य सुरक्षा मानक अधिनियम-2006 और नियम-2011 के तहत आवश्यक दस्तावेज जैसे कर्मचारियों का मेडिकल फिटनेस सर्टिफिकेट, पेस्ट कंट्रोल और ट्रेनिंग सर्टिफिकेट नहीं दिखाए गए। साफ-सफाई भी असंतोषजनक पाई गई। विभाग ने फर्म को धारा-32 के तहत नोटिस जारी किया है। अनुपालन न होने पर कठोर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

जमीयत उलेमा हिंद ने भी पंजाब के बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए बढ़ाया कदम

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- पंजाब में आई बाढ़ की आपदा से निपटने के लिए जमीयत उलेमा हिंद के जिला सदर मुफ्ती खुर्शीद अहमद की रहनुमाई में राहत सामग्री से भरा हुआ केंटर ट्रक पंजाब के लिए रवाना किया गया। सभी लोगों ने अपनी अपनी हैसियत के हिसाब से योगदान किया। और सभी के लिए दुआ प्रार्थना भी की। राहत सामग्री में रोजाना उपयोग में लाई जाने वाली चीजें शामिल की गयीं- जैसे बच्चों के डायपर, मच्छरदानी, साबुन, कोलगेट, पुरुषों, महिलाओं व बच्चों के लिएं कपड़े, आटा, बिस्कुट, चावल, चीनी, रिफाइंड, तेल, छतरी व पानी की बोतले नमकीन और भी बेशुमार चीजें भेजी गयीं। यही हिंदुस्तान की मिट्टी की पहचान है, कि लोग एक दूसरे की मदद को हमेशा तैयार रहते हैं। और नि संकोच एक दूसरे की मदद को हमेशा तैयार रहते हैं।

मुख्य विकास अधिकारी ने उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन को लेकर की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिले के विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत कार्यरत बैंक सखी ब्लॉक मिशन प्रबंधक सहायक विकास अधिकारी आईएसबी की समीक्षा की गई, जिसमें समस्त विकास खंडों कि बैंक सखियों, ब्लॉक मिशन प्रबंध के एवं सहायक विकास अधिकारी आईएसबी के द्वारा प्रतिभाग किया गया । समीक्षा बैठक में बैंक सखियों को उनके कार्य एवं दायित्व के बारे में विस्तार से बताया गया। समर्थ उत्तर प्रदेश विकसित उत्तर प्रदेश 2047 पर भी मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। समीक्षा बैठक में उपायुक्त स्वतः रोजगार द्वारा बैंक सखियों को निर्देशित किया गया कि वह अपना कार्य मेहनत और लगन से करें। कंप्यूटर प्रोग्रामर द्वारा social media का उपयोग के सम्बन्ध में विस्तार से बताया कि किस प्रकार समूह अपने product का प्रचार प्रसार कर अपनी आर्थिक स्थिति को सुधार सकते हैं।

पिछड़ा वर्ग कल्याण द्वारा दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत किए जा रहे है ऑनलाइन आवेदन

अमरोहा (सब का सपना):- निदेशक, पिछड़ा वर्ग कल्याण, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के पत्र संख्या 1209/पीवाई के /2025-26 लखनऊ दिनांक 09 सितम्बर, 2025 के साथ उप सचिव, समाज कल्याण अनुभाग-3 के आदेश संख्या 145/2025/2426/26-03-2025-1396097 दिनांक 08 सितम्बर, 2025 द्वारा वित्तीय वर्ष/शैक्षणिक सत्र 2025-2 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) दशमोत्तर (कक्षा 11-12) छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत संशोधित समय सारिणी जारी की गयी है। उक्त समय सारिणी के अनुसार छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत प्रक्रियात्मक कार्यवाही हेतु तिथियां निर्धारित की गयी हैं। प्रक्रियात्मक कार्यवाही शिक्षण संस्थानों द्वारा आवेदन पत्र को ऑनलाईन सत्यापित एवं अग्रसारित/निरस्त किए जाने की हेतु, समय सीमा, 31 अगस्त 2025 तक, प्रथम चरण, सशोधित समयावधि, 07 सितम्बर, 2025 तक, जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा पूर्वदशम (कक्षा 9-10) एवं दशमोत्तर (कक्षा 11-12) के कक्षावार वास्तविक छात्र संख्या आदि की प्रामाणिकता का सत्यापन ऑनलाइन किया जाना, 01 सितम्बर, 2025 से 09 सितम्बर, 2025 तक, 08 सितम्बर, 2025 से 14 सितम्बर 2025 तक, शासन ने वित्तीय वर्ष-2025-26 में पूर्वदशम (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत (कक्षा 11-12) के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति राशि का भुगतान दिनांक 02 अक्टूबर 2025 को करने का निर्णय लिया है। (11-12) शिक्षण संस्थाओं को निर्देशित किया जाता है कि वे यह सुनिश्चित करें कि (कक्षा 9-10) छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति (कक्षा 11-12) योजनान्तर्गत आवेदन करने वाले पात्र विद्यार्थियों के आवेदन पत्रों का ऑनलाइन सत्यापन कर शासन द्वारा दिनांक 07 अक्टूबर, 2025 तक नियमानुसार अग्रसारित/निरस्त कर दिया जाए, जिससे विद्यार्थी को छात्रवृत्ति धनराशि प्रेषित की जा सके। साथ ही, अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग को छोड़कर) के सभी पात्र विद्यार्थियों के छात्रवृत्ति बैंक खातों में आधार सीडिंग एवं मैपिंग तथा एनपीसीआई से ऑनलाइन आवेदन अपने विद्यालयों में सूचना पट्ट, दैनिक समाचार पत्रों, कक्षा अध्यापकों एवं अन्य संचार माध्यमों से करवाएं।

जिलाधिकारी ने की चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिलाधिकारी ने आईजीआरएस संदर्भों का निस्तारण गुणवत्ता पूर्ण करने के निर्देश दिए और कहा कि जो पैमाइश की जा रही है वह सही प्रकार से करें ग्राम समाज की भूमि को चिन्हित कर राजस्व टीम के साथ खाली कराये। बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी ने जिलाधिकारी को जानकारी देते हुए कहा कि जनपद अमरोहा में 20 ग्रामों में चकबंदी चल रही है जिनमें से 6 ग्रामों में अंतिम अभिलेख तैयार किया जा रहे हैं। जिलाधिकारी महादेया ने निर्देश दिए की अंतिम अभिलेख बिना किसी त्रुटि के तैयार किए जाएं कृषकगणों को समय से आकर पत्र वितरित किए जाएं जिन ग्रामों में चक निर्माण कार्य चल रहा है ऐसे ग्रामों में कृषकों से राय लेकर आपसी सहमति पर चाक निर्माण करें भूमि का विनिमय अनुपात कृषकों के समक्ष निर्धारित करें। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) धीरेन्द्र प्रताप, बंदोबस्त अधिकारी चकबंदी, चकबंदी अधिकारी, सहायक चकबंदी अधिकारी उपस्थित थे।

जनपद न्यायाधीश द्वारा राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार प्रसार को लेकर निकाली रैली

अमरोहा (सब का सपना):- जनपद के न्यायाधीश विवेक द्वारा जनपद न्यायालय द्वारा रैली को हरी झण्डी दिखाकर न्यायालय परिसर से रवाना किया गया। रैली को रवाना करते समय जनपद न्यायाधीश द्वारा अवगत कराया गया कि लोक अदालत के माध्यम से वाद का निस्तारण कराने से समय व धन की बचत होती है और समझौते के माध्यम से निस्तारण किये जाने पर किसी भी एक पक्ष की जीत नहीं होती बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है। रैली को सम्बोधन करते हुए जनपद अमरोहा को यह संदेश दिया गया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में निम्न प्रकार के वादों वैवाहिक विवाद के मामले, दुर्घटना दावे के मामले, घरेलू हिंसा के मामले, वाणिज्यिक विवाद के मामले, चैक वाउन्स के मामले, सेवा विवाद के मामले, शमनीय आपराधिक मामले, ऋण वसूली के मामले, सम्पत्ति के बटवारें से सम्बन्धित मामले, बेदखली से संबंधित मामले, दीवानी के मामले आदि वादों को आपसी सहमति के आधार पर निस्तारण कराया जा सकता है। जनपद न्यायाधीश विवेक द्वारा पैरा विधिक स्वंय सेवको को भी निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद अमरोहा में राष्ट्रीय लोक अदालत का अधिक से अधिक प्रचार प्रसार करना सुनिश्चित करें तथा साथ ही आमजन तक कानून की पहुंच सरल हो. कोई भी व्यक्ति कानून के अभाव में अपने आप को न्याय पाने से असमर्थ न रहा सके। प्रस्तावित लोक अदालत दिनांक 13.09.2025 में अधिक से अधिक वाद चिन्हित करें, तथा चिन्हित वादो का निस्तारण कर राष्ट्रीय लोक अदालत सफल बनाये। रैली को संचालन के समय पीठासीन अधिकारी कुटुम्ब न्यायालय अमरोहा मधुलिका चौधरी, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश प्रथम साकिर हसन, माननीय अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत ईश्वर सिंह एवं ज्योति अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश / पूर्णकालिक सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अमरोहा आदि न्यायिक अधिकारी उपस्थित रहे तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के समस्त स्टॉफ रितिक चाहल, सितिन चौहान, हर्षित चौहान, अजब सिंह आदि समस्त पी०एल०वी० उपस्थित रहें।

यातायात पुलिस ने नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत 57 लोगों को पहनाया हेलमेट

संभल(सब का सपना):- यातायात पुलिस जनपद संभल द्वारा 1 सितंबर से 30 सितंबर तक चलाए जा रहे नो हेलमेट, नो फ्यूल अभियान के तहत 9 सितंबर को विशेष जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। उच्चाधिकारियों के निदेर्शानुसार इस अभियान के अंतर्गत यातायात पुलिस ने दोपहिया वाहन चालकों को नियमानुसार रोककर बिना किसी दुर्व्यवहार के 57 व्यक्तियों को हेलमेट पहनाया। इसके साथ ही 186 लोगों को सड़क सुरक्षा और हेलमेट के महत्व के प्रति जागरूक किया गया। यातायात पुलिस ने इस अभियान के माध्यम से वाहन चालकों को हेलमेट पहनने की अनिवार्यता और इसके द्वारा होने वाली सुरक्षा के बारे में बताया। पुलिस का कहना है कि इस तरह के अभियान से न केवल यातायात नियमों का पालन बढ़ेगा, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने में भी मदद मिलेगी। यह अभियान पूरे सितंबर माह तक जारी रहेगा, और जनता से अपील की गई है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और अपनी सुरक्षा के लिए हेलमेट का उपयोग अवश्य करें।

त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 हेतु वृहद पुनरीक्षण की तैयारी हेतु बैठक का किया गया आयोजन

बहजोई/संभल (सब का सपना):- कलक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी डॉ राजेन्द्र पैंसिया की अध्यक्षता में त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन 2026 हेतु वृहद पुनरीक्षण की तैयारी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा ने संबंधित अधिकारियों से विभाग से कितने नियुक्त बीएलओ द्वारा अभी तक पुनरीक्षण संबंधी सामग्री तहसील स्तर से प्राप्त नहीं की गयी है, बीएलओ द्वारा बीएलओ एप पर आनलाइन पंजीकरण के विषय में जानकारी प्राप्त की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अपर जिलाधिकारी द्वारा बीएलओ द्वारा अभी तक कितने परिवर्धन, अपमार्जन, और संशोधन किया जा चुका है तथा नियुक्त बीएलओ की हस्ताक्षरित सूची आदि के विषय पर चर्चा की गयी एवं संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि पंचायत चुनाव में एक एक वोट महत्वपूर्ण होता है। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि शीघ्र ही बीएलओ की नियुक्ति की जाए। दिनांक 10 सितम्बर को प्रत्येक ब्लॉक पर बीएलओ के साथ बैठक की जाए। सभी लोग अधिक से अधिक बीएलओ ऐप का प्रयोग करें। आगामी त्रिस्तरीय चुनावों को गम्भीरता से लें।जिलाधिकारी ने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि कोई भी खण्ड शिक्षा अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय छोड़ेंगे तथा न ही अवकाश पर जाएंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रदीप वर्मा, उप जिलाधिकारी चंदौसी आशुतोष तिवारी, उप जिलाधिकारी गुन्नौर अवधेश कुमार, डिप्टी कलक्टर सौरभ कुमार पाण्डेय, डिप्टी कलक्टर नीतू रानी, डिप्टी कलक्टर रामानुज, डीपीओ आईसीडीएस महेश कुमार, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, समस्त खण्ड विकास अधिकारी एवं एडीओ पंचायत एवं संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

भा.कि. संघ के कार्यकर्ताओं ने किया न्यायालय में आत्मसमर्पण

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- वर्ष 2019 में भारतीय किसान संघ द्वारा किए गए धरना प्रदर्शन एवं सांकेतिक रोड जाम मामले में चल रहे केस में मंगलवार दोहपर एक बजे भारतीय किसान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा, भारतीय किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष चौधरी नरेंद्र सिंह, कार्यकर्ता यशवीर सिंह, सेविंद्र सिंह आदि ने हसनपुर के सिविल जज जूनियर डिविजन की न्यायालय में आत्मसमर्पण किया। इस दौरान अदालत ने चार घंटे तक न्यायिक हिरासत में रखा। इसके बाद उन्हे जमानत पर रिहा कर दिया गया। जमानत मिलने के बाद भारतीय किसान संघ के पूर्व जिलाध्यक्ष कृष्ण कुमार शर्मा ने बताया कि अदालत का हम सम्मान करते हैं, लेकिन जनहित और किसानों के लिए उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने इस पूरे प्रकरण के बारे में बताया कि वर्ष 2019 में सैदनगली के तत्कालीन थाना अध्यक्ष अमित मान को धरने पर बुलाने के लिए हसनपुर में सांकेतिक रोड जाम किया था।

पुलिस अधीक्षक की अध्यक्षता में सीसीटीएनएस कार्यशाला का आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक जनपद संभल कृष्ण कुमार और अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) अनुकृति शर्मा की अध्यक्षता में रिजर्व पुलिस लाइन, बहजोई स्थित सभागार में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य पंचायतनामा और मेडिकल अनुरोध पत्र (चिट्ठी मजरूबी) की कार्रवाई को क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क सिस्टम (सीसीटीएनएस) के माध्यम से संपादित करने के संबंध में जागरूकता बढ़ाना था। कार्यशाला में जनपद के समस्त थाना प्रभारी, कंप्यूटर ऑपरेटर, सीसीटीएनएस पर नियुक्त कर्मचारी और जनपदीय को ऑर्डिनेटर उपस्थित रहे। इस दौरान सीसीटीएनएस के उपयोग, कार्यप्रणाली और इसके माध्यम से कार्यों को सुगम बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि डिजिटल प्लेटफॉर्म के उपयोग से पुलिस कार्यों में पारदर्शिता और दक्षता बढ़ेगी, जिससे जनता को त्वरित और प्रभावी सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी। अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ने कर्मचारियों को सीसीटीएनएस सिस्टम के तकनीकी पहलुओं को समझने और इसे प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह कार्यशाला पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को आधुनिक और तकनीकी रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

दर्दनाक सड़क हादसा ट्रक में घुसी बाइक तीन युवकों की मौत

गुन्नौर/संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र में बहुत ही दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जिसमें बाइक सवार तीन युवकों की मौत हो गई। जनपद संभल के थाना गुन्नौर पुलिस को सूचना मिली कि गुन्नौर-जुनावई मार्ग पर एक तेज रफ्तार ट्रक और बाइक की जोरदार भिड़ंत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही थाना गुन्नौर की पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने पाया कि एक ट्रक, जो गुन्नौर से जुनावई की ओर जा रहा था, उसके पीछे से एक बाइक टकरा गई। इस टक्कर में बाइक सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों की पहचान रेहान (18) पुत्र अल्लानूर, निवासी रजपुरा, अरमान (15), निवासी जनपद बदायूं, और हसनैन (16), निवासी सहसवान, बदायूं के रूप में हुई। पुलिस ने तुरंत घायलों को नजदीकी स्वस्थ केंद्र गुन्नौर में भर्ती कराया, लेकिन गंभीर चोटों के कारण चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए शवों का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिण) अनुकृति शर्मा ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि हादसा कैसे हुआ और इसके लिए जिम्मेदार कौन है। ट्रक चालक और अन्य संबंधित तथ्यों की जांच की जा रही है। इस हादसे ने स्थानीय लोगों को गहरे सदमे में डाल दिया है। तीनों युवकों की कम उम्र में मौत से उनके परिवारों पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। आसपास के लोग और परिजन इस हादसे से स्तब्ध हैं। स्थानीय निवासियों ने सड़क सुरक्षा और तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण की मांग उठाई है।

श्रीमद्भागवत कथा से पहले निकाली गई भव्य कलश यात्रा

चंदौसी/संभल (सब का सपना):- नगर में मंगलवार को श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन किया गया, इससे पहले महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली । ढोल नगाड़ों की धुन पर श्रद्धालुओं ने नृत्य किया और श्रीमद्भागवत कथा का गुणगान किया । श्री श्री 108 महंत रमेश दास महाराज ने कथा प्रारंभ की, उससे पहले महिलाओं ने भक्तजनों ने सिर पर श्रीमद्भागवत कथा लेकर चले। दोनों हाथों से ताली बजाकर भगवान कृष्ण का गुणगान करते नजर आए , अधिक संख्या में महिलाओं ने सिर पर कलश लेकर ब्रह्मदेव मंदिर ब्रह्मा बाजार से विभिन्न मार्गों से होकर रामबाग धाम पहुंचे। व्यापारियों व स्थानीय लोगों ने कलश यात्रा का जगह-जगह पुष्प वर्षा से स्वागत किया। श्रद्धालुओं ने भजनों पर नृत्य किया, मौसम गुप्ता, रागिनी गुप्ता, मधुर गुप्ता, प्रियंका गुप्ता, मयंक चौधरी, दिव्या चौधरी, व निर्मला गुप्ता पत्नी स्वर्गीय आर सी गुप्ता ने यात्रा का नेतृत्व किया। यात्रा कथा स्थल एमसीएक्स गोदाम अजंता रोड कैटल गेट चंदौसी पर पहुंचकर रामबाग धाम समापन हुई कलश यात्रा, कथा व्यास रमेश दास महाराज (पिथौरागढ उत्तराखंड) ने श्रीमद्भागवत कथा के बारे में श्रद्धालुओं को जानकारी दी। बताया कि पितृ पक्ष में कथा सुनने से पितृ की आत्मा को शांति मिलती है। समय से कथा सुने महंत शाम तीन बजे से सात बजे तक 9 सितंबर से 16 सितंबर तक कथा का श्रवण करें । कलश यात्रा के बाद आरती और प्रसाद वितरण किया गया। हाथरस मंण्डली द्वारा बहुत सुन्दर भजनो के साथ श्रद्धालुओं ने आनन्द लिया जोकि रामबाग धाम जाकर समापन हुआ । जिसमें मौसम गुप्ता, तेजेन्द्र पाल चौधरी, मधुर गुप्त, कपिल गुप्ता (OLF), डॉ नरेन्द्र कुमार, सूर्यांश गुप्ता, माधव गुप्ता, अमन गुप्ता, राजेश गुप्ता, गणेश चौधरी, अनुज गुप्ता व अन्य शहर की भारी मात्रा में लोग उपस्थित रहे।

क्षमावाणी पर्व पर भव्य धर्मचक्र कार्यक्रम का किया आयोजन

बहजोई/संभल(सब का सपना):- दिगंबर जैन मंदिर बहजोई में सोमवार को बाबू मुकुट बिहारी लाल जैन सेवा न्यास के तत्वावधान में पर्युषण महापर्व के समापन पर क्षमावाणी पर्व का भव्य धर्मचक्र कार्यक्रम आयोजित हुआ। बच्चों से वयस्कों तक सभी श्रद्धालुओं ने उत्साह से भाग लिया। धर्मचक्र घुमाकर प्रतिभागियों ने धर्म-संबंधी प्रश्नों के उत्तर दिए और आकर्षक उपहार जीते। सरप्राइज प्रश्नों ने कार्यक्रम को रोमांचक बना दिया। इस अवसर पर न्यास अध्यक्ष डॉ. पवन कुमार जैन को उत्तर प्रदेश के जैन तीर्थों पर पीएचडी पूरी करने पर दिगंबर जैन सभा द्वारा सम्मानित किया गया। सभा पदाधिकारियों ने इसे जैन समाज का गौरव बताया। डॉ. पवन जैन ने कहा, क्षमावाणी पर्व आत्मचिंतन और क्षमा का संदेश देता है। समाज सेवा और सहयोग से प्रगति करता है। संयोजक सम्भव जैन ने कहा, यह पर्व आत्मा की साधना कराता है। न्यास समाज सेवा के लिए समर्पित है। जैन सभा अध्यक्ष सुनील कुमार जैन ने न्यास की शिक्षा, स्वास्थ्य व धर्मक्षेत्र में भूमिका की सराहना की, विशेषकर निःशुल्क औषधालय संचालन को। कार्यक्रम के अंत में सभी ने मिच्छामी दुक्कड़म कहकर एक-दूसरे से क्षमा मांगी। जैन सभा संरक्षक राजेंद्र कुमार जैन आढ़ती, उपाध्यक्ष संजय कुमार जैन, ट्रस्टी चंद्र प्रकाश जैन, कोषाध्यक्ष मीतेश जैन सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। संचालन नमन जैन व अमन जैन एडवोकेट ने किया।

भारतीय मानव कल्याण समिति की कार्यकारिणी का हुआ विस्तार

चन्दौसी/सम्भल (हनी चन्द्रा) सब का सपना:- भारतीय मानव कल्याण समिति एक बैठक समिति के विनायक मार्ग स्थित कार्यालय पर आयोजित की गई । समिति प्रबन्धक डॉ टीएस पाल ने आख्या रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया विभिन्न आयोजनों के माध्यम से समिति शैक्षिक, सामाजिक, स्वास्थ्य एवम पर्यावरण संरक्षण के लिए लोगो को जागरूक करने कार्य कर रही है।आगे भी करती रहेगी क्योंकि सभी पदाधिकारी एवम सदस्य निस्वार्थ कार्य कर रहे। समिति की कार्यकारिणी का विस्तार करते हुए पंकज कुमार को अध्यक्ष ,सुशील कुमार भोलेनाथ को उपाध्यक्ष, ओमप्रकाश गुप्ता को सचिव,आकाश कुमार शर्मा को मीडिया प्रभारी तथा प्यारेलाल पाली, मुकेश कुमार वार्ष्णेय, दिनेशचंद्र गुप्ता, डॉ जयशंकर दुबे को संरक्षक मनोनीत किया । बैठक की अध्यक्षता डॉ टीएस पाल ने तथा संचालन आकाश कुमार शर्मा ने किया। इस दौरान सुशील भोलेनाथ, मुनेश धनगर, राजवीर सिंह, दिनेशचंद्र गुप्ता, राहुल सिंह,ओमप्रकाश गुप्ता,बीपी तिवारी, जयशंकर दुबे, अशोक कुमार, दिनेश धनगर, रोशन लाल, मुनीश, मोहित, मोहन आदि उपस्थित रहे।

बच्चों के विवाद ने लिया खूनी रूप, एक की मौत, दो गिरफ्तार

बनियाठेर/संभल (सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम अकरौली में बच्चों के बीच खेलते समय हुए मामूली विवाद ने खूनी रूप ले लिया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। पुलिस ने इस मामले में मुख्य अभियुक्त भूरे और उसकी पत्नी ओमवती को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार के निर्देशन में चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत थाना बनियाठेर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्त भूरे पुत्र सियाराम और उसकी पत्नी ओमवती को गिरफ्तार किया। अभियुक्तों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक लोहे का छुरा और दो लकड़ी के डंडे बरामद किए गए। दोनों अभियुक्तों को न्यायालय भेजा जा रहा है। पुलिस के अनुसार 7 सितंबर को थाना बनियाठेर पुलिस को सीएचसी चंदौसी से सूचना मिली कि ग्राम अकरौली में बच्चों के बीच खेलते समय हुए विवाद के बाद उनके परिजनों के बीच झगड़ा हो गया। इस दौरान भूरे और उसकी पत्नी ओमवती ने मिलकर रूपकुमार पुत्र लल्लू सिंह के पेट में छुरा घोंप दिया, जबकि रूपकुमार के पिता लल्लू सिंह और चाचा चरन सिंह के साथ मारपीट की। घायलों को पीआरवी पुलिस कर्मियों द्वारा सीएचसी चंदौसी लाया गया, जहां चरन सिंह का इलाज हुआ। लेकिन रूपकुमार के पेट में गहरे घाव और अत्यधिक रक्तस्राव के कारण उसे जिला अस्पताल सम्भल और फिर हायर सेंटर रेफर किया गया। मुरादाबाद ले जाते समय रास्ते में रूपकुमार की मृत्यु हो गई। 8 सितंबर को लल्लू सिंह की तहरीर के आधार पर थाना बनियाठेर में मुकदमा पंजीकृत किया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्त भूरे ने बताया कि उसका बेटा विशाल और चरन सिंह का बेटा शिवा पास के प्लॉट में खेल रहे थे, जहां दोनों के बीच कहासुनी हो गई। विशाल ने भूरे को शिवा द्वारा मारपीट की शिकायत की। इसके बाद भूरे और उसकी पत्नी ओमवती, चरन सिंह के घर शिकायत करने गए। वहां चरन सिंह ने उनकी बात नहीं सुनी और उल्टा मारपीट पर उतारू हो गया। भूरे ने बताया कि उसने और ओमवती ने अपने साथ छुरा और डंडा लिया था। हाथापाई के दौरान चरन सिंह को बचाने आए लल्लू सिंह, रूपकुमार और छविराम को देखकर भूरे ने अपने बचाव में रूपकुमार के पेट में छुरा घोंप दिया। इसके बाद डर के कारण दोनों मौके से भाग गए। अपर पुलिस अधीक्षक और क्षेत्राधिकारी चंदौसी अनुज कुमार चौधरी के नेतृत्व में थानाध्यक्ष मनोज कुमार वर्मा और उनकी टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने घटनास्थल से हत्या में प्रयुक्त हथियार भी बरामद कर लिए हैं।

सनसनीखेज वारदात साडू ने साडू पर किया जानलेवा हमला, धारदार हथियार से काटी नाक

संभल(सब का सपना):- थाना क्षेत्र के ग्राम तुतीपुरा इल्हा में दो साडुओं के बीच विवाद ने खूनी रंग ले लिया। एक साडू ने गुस्से में आकर अपने ही साडू पर धारदार हथियार से हमला कर उसकी नाक काट दी। इस सनसनीखेज घटना से गांव में दहशत का माहौल है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों से पूछताछ जारी है। सूत्रों के अनुसार, नदीम और उसके साडू अमानत के बीच नदीम की पत्नी के साथ अमानत के कथित अवैध संबंधों को लेकर लंबे समय से तनाव चल रहा था। इस विवाद के चलते दोनों पक्षों में अक्सर कहासुनी होती रहती थी। बीती रात अमानत अपने साथियों रफत और अरशद के साथ नदीम के पास पहुंचा। आरोप है कि पहले नदीम को शराब पिलाई गई, जिसके बाद दोनों के बीच तीखी नोकझोंक शुरू हो गई। विवाद बढ़ने पर अमानत ने गुस्से में आकर धारदार हथियार से नदीम पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया, जिसमें नदीम की नाक कट गई और वह लहूलुहान होकर मौके पर गिर पड़ा। हमले के बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल नदीम ने नखासा थाने पहुंचकर तहरीर दी और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने नदीम का मेडिकल कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नखासा ने बताया कि तहरीर के आधार पर तीनों आरोपियों से पूछताछ की जा रही है और मामले की गहन जांच जारी है। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है, जिसे देखते हुए पुलिस लगातार गश्त कर रही है।

सीएम रेखा गुप्ता ने कपिल मिश्रा को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी, उत्तर-पूर्वी संसदीय क्षेत्र के विकास को मिलेगी रफ्तार

पूर्वी दिल्ली। उत्तर पूर्वी संसदीय क्षेत्र के विकास कार्यों को लेकर सीएम रेखा गुप्ता ने सचिवालय में सांसद, विधायक और पार्षदों के साथ बैठक की। इसमें कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा को इस संसदीय क्षेत्र का प्रभारी बनाया गया। वह नियमित रूप से जनप्रतिनिधियों से संवाद कर विकास कार्यों की प्रगति पर नजर रखेंगे और क्षेत्र की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करेंगे। साथ समस्याओं के समाधान के लिए क्षेत्रवार जिम्मेदारियां तय करने की बात कही। सीएम ने प्रत्येक वार्ड में एक करोड़ रुपये राशि से होने वाले विकास कार्यों के प्रस्तावों की समीक्षा की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी प्रस्तावों और फाइलों पर शीघ्र कार्रवाई करें। किसी भी स्तर पर ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने उत्तर पूर्वी दिल्ली के विकास कार्यों की समीक्षा की और कैबिनेट मंत्री कपिल मिश्रा को प्रभारी मंत्री नियुक्त किया। प्रत्येक वार्ड में एक करोड़ रुपये के विकास कार्यों के प्रस्तावों पर चर्चा हुई।

विकास कार्यों में दोहराव से बचने के लिए बनाई व्यवस्था सीएम ने कहा कि सांसद, विधायक और पार्षद अपने-अपने प्रस्ताव लिखित रूप में प्रस्तुत करें। तभी उन पर कार्यवाही तेज होगी। पार्षद को निर्देश दिया कि वह अपने वार्ड के विकास कार्यों के प्रस्ताव सांसद और विधायक को लिखित में उपलब्ध कराएं, ताकि कार्यों में दोहराव न हो और जिम्मेदारी स्पष्ट रहे। उन्होंने बैठक में मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि समयबद्ध तरीके से कार्य पूरे किए जाएं, जिससे लोगों को उसका लाभ मिले। उन्होंने सीवर, जल आपूर्ति और स्वच्छता से जुड़ी समस्याओं पर विशेष ध्यान देने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर-पूर्वी जिले का विकास उनकी सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। जनप्रतिनिधियों के सामूहिक प्रयास से क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, आधारभूत संरचना और रोजगार के नए अवसर सुनिश्चित किए जाएंगे। बैठक में सांसद मनोज तिवारी, दिल्ली विधानसभा के उपाध्यक्ष एवं मुस्तफाबाद से विधायक मोहन सिंह बिष्ट, महापौर राजा इकबाल सिंह, निगम की स्थायी समिति की अध्यक्ष सत्या शर्मा, घोंडा विधायक अजय महावर, तिमारपुर विधायक सूर्यप्रकाश खत्री व पार्षद मौजूद रहे। तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन होगा, लगेंगे स्वास्थ्य शिविर नंद नगरी फ्लाईओवर समेत तैयार परियोजनाओं का उद्घाटन जल्द होगी। बैठक में सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जन्मतिथि के अवसर पर यमुना पार्क सहित करोड़ों रुपये की कई परियोजनाओं का उद्घाटन होगा। उन्होंने यह बताया कि 18 सितंबर से दो अक्टूबर तक सभी विधानसभा क्षेत्रों के आरोग्य मंदिरों में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे।

पायलट की नौकरी के नाम पर लाखों की ठगी, 25 लाख में तय हुआ था सौदा

दक्षिणी दिल्ली। दक्षिणी दिल्ली में सफदरजंग एन्क्लेव इलाके में बेटे को पायलट लगवाने के नाम पर एक व्यक्ति से 15 लाख रुपये ठगने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने अपने एक जानकार पर एक अन्य व्यक्ति के साथ मिलकर उनसे रुपये ठगने का आरोप लगाया है। सफरदजंग थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पीड़ित अवनीश कुमार अपने बेटे के लिए किसी एयरलाइंस में नौकरी की तलाश कर रहे थे। अवनीश का एक जानकार प्रेम कुमार झा तिगड़ी इलाके में रहता है। प्रेम कुमार ठेकेदार है। कुछ समय पहले अवनीश की प्रेम कुमार से बात हुई तो उन्होंने उसे बताया कि वह अपने बेटे के लिए किसी एयरलाइंस में पायलट की नौकरी तलाश रहे हैं। इस पर प्रेम कुमार ने उन्हें बताया कि वह सफदरजंग एन्क्लेव में रहने वाले एक व्यक्ति को जानते है। वह उनके बेटे की नौकरी लगवा सकता है। इस पर तीनों सफदरजंग एन्क्लेव स्थित एक अस्पताल में उस व्यक्ति से मिलने पहुंचे। वहीं, बातचीत के दौरान व्यक्ति ने बताया कि उसकी एक नामी एयरलाइंस के कई बड़े अधिकारियों से पहचान है। वह 25 लाख रुपये में बेटे की नौकरी लगवा देंगे। गारंटी के तौर पर व्यक्ति ने 25 लाख रुपये का चेक यह कहकर देने का वादा किया कि नौकरी लग जाने पर उसे लौटाना होगा। इस संबंध में एक लिखित दस्तावेज भी तैयार करने का आश्वासन दिया। उन पर भरोसा कर पीड़ित अवनीश ने एक लाख रुपये नकद व नौ लाख रुपये आरटीजीएस के जरिए उनके खाते में ट्रांसफर किए। जिसके बाद उन्हें बिना तारीख का 25 लाख रुपये का चेक देकर दस्तावेज पर साइन कराया गया।

महिला ने उठाया खौफनाक कदम, पुलिस को नहीं मिला सुसाइड नोट

बाहरी दिल्ली। बाहरी दिल्ली में बेगमपुर थाना क्षेत्र स्थित रोहिणी सेक्टर-37 में सोमवार शाम एक महिला ने पेड़ से लटककर जान दे दी। सूचना पर पहुंची पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। वहीं, शुरूआती जांच में पता चला है कि वह घरेलू कलह के कारण परेशान थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच कर रही है। महिला की पहचान 23 वर्षीय अनुराधा के रूप में हुई है। रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त राजीव रंजन ने बताया कि सोमवार शाम करीब 5:31 बजे पुलिस को सूचना मिली कि रोहिणी सेक्टर-37 के पास सड़क किनारे एक महिला पेड़ से फंदा लगाकर लटकी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। शव को नीचे उतार कर उसे अपने कब्जे में ले लिया। शव पर कोई अन्य चोट के निशान नहीं मिले। जांच में पता चला कि मृत महिला बेगमपुर की रहने वाली अनुराधा थी। दो साल पहले उसकी शादी फरुर्खाबाद उत्तर प्रदेश निवासी अरविंद से हुई थी। वहीं, जांच में पता चला कि अनुराधा घरेलू कलह के कारण परेशान थी। पुलिस ने इसकी जानकारी एसडीएम रोहिणी को दे दी है। पुलिस मृतका के परिवार वाले और उसके पति से पूछताछ कर आगे की कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली में ड्रग्स तस्करी के अंतरराज्यीय गिरोह का पदार्फाश, 17.80 करोड़ की हेरोइन के साथ दो तस्कर दबोचे

नई दिल्ली। बरेली से हेरोइन लाकर दिल्ली-एनसीआर में आपूर्ति करने वाले दो अंतरराज्यीय ड्रग्स तस्करों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से कुल 17.80 करोड़ की कीमत की हेरोइन बरामद की गई है। इसके अलावा ड्रग्स तस्करी में इस्तेमाल की जाने वाली एक कार और एक स्कूटी भी जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान रतन विहार, किराड़ी के वंश पोपट और यूपी में बरेली के अरसलाम उर्फ दानिश के रूप में हुई है। पुलिस उनसे पूछताछ कर गिरोह में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी है। क्राइम ब्रांच के उपायुक्त सुधीर कुमार यादव के मुताबिक, 28 जून को गुप्त सूचना पर क्राइम ब्रांच की एक टीम ने सुल्तानपुरी के गौरव नाम के तस्कर को गिरफ्तार किया था, जिसके कब्जे से 1,412 ग्राम हेरोइन बरामद हुई थी। पूछताछ में उसने बताया था कि उसने वंश पोपट से ड्रग्स खरीदी थी। वंश पोपट की तलाश में छापेमारी की गई, लेकिन वह फरार था। अदालत से उसके खिलाफ एनबीडब्ल्यू जारी करवाए गए। दो सितंबर को पुलिस टीम ने छापेमारी करते हुए उसे गिरफ्तार कर लिया और उसकी स्कूटी से 26 ग्राम अतिरिक्त हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में वंश पोपट के प्रमुख आपूर्तिकर्ता अरसलाम खान उर्फ दानिश की जानकारी दी, जो बरेली से काम कर रहा था। टीम बरेली पहुंची और गुप्त सूचना हासिल करते हुए उसे रामपुर के पास काले रंग की आई-20 कार में देखा गया। पुलिस टीम को देखकर उसने भागने की कोशिश की लेकिन नाकाबंदी करते हुए उसे दबोच लिया गया। उसकी कार की तलाशी लेने पर कुल 2,127 ग्राम हेरोइन बरामद की गई। पूछताछ में पता चला कि वह सांशी समुदाय से है और अपने रिश्तेदारों के साथ अवैध शराब बेचता था। 2023 में वह एक शादी समारोह में वंशु के संपर्क में आया और उसके बाद उससे हेरोइन खरीदना शुरू कर दिया और इसे पुड़िया के रूप में नशे के आदि लोगों को मुनाफे पर बेचना शुरू कर दिया। जल्दी पैसा कमाने के लिए गौरव ने वंश से स्मैक खरीदना शुरू कर दिया था और दिल्ली के विभिन्न इलाकों में इसकी आपूर्ति करने लगा।

दिल्ली पुलिस ने जब्त की 30 लाख की संपत्ति, घर से बरामद हुई हेरोइन और नकदी

बाहरी दिल्ली। नशे के कारोबार से खरीदी गई करीब 30 लाख रुपये की चल अचल संपत्ति उत्तरी- पश्चिम जिला पुलिस ने जब्त की है। आरोपी ने नशे के कारोबार से तीन दो पहिया वाहन और एक प्रॉपर्टी खरीदी थी। पुलिस ने पहले नशीले पदार्थ की आपूर्ति में आरोपित विजय बधवान के बेटे नितिन बधवान को गिरफ्तार किया था। इसके बाद पुलिस ने विजय को भी गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से 365 ग्राम हेरोइन और 1.88 लाख रुपये मिले थे। उत्तरी-पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त भीष्म सिंह ने बताया कि जिले के आपरेशन सेल ने इस साल फरवरी माह में वजीरपुर जेजे कालोनी निवासी 22 साल के नितिन बधवान को नशीले पदार्थ की तस्करी में गिरफ्तार किया। उसके मकान से 365 ग्राम हेरोइन और 1.88 लाख रुपये बरामद किए। पुलिस ने भारत नगर थाने में उसके खिलाफ मामला दर्ज कर छानबीन की। पूछताछ में आरोपित नितिन ने बताया कि वह अपने पिता विजय कुमार के इशारे पर काम कर रहा था। पुलिस ने 20 मई को उसके पिता विजय कुमार को भी इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस को जांच में पता चला कि आरोपियों ने नशे से होने वाली कमाई से चल अचल संपत्ति की खरीद की। पुलिस ने तीन दोपहिया वाहन और एक प्रॉपर्टी की पहचान की, जिसकी कीमत 30 लाख रुपये से अधिक आंकी गई। पुलिस ने मादक द्रव्य अधिनियम के तहत जब्त कर लिया। पुलिस ने बताया कि विजय कुमार पिछले सात सालों से अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त है। उसके खिलाफ 11 से अधिक गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। भारत नगर थाना पुलिस ने विजय कुमार को घोषित बदमाश घोषित किया गया। इस मामले में पुलिस आगे जांच कर रही है।

दिल्ली में बम धमकी: सीएम सचिवालय, एमएएमसी और यूसीएमएस में बम विस्फोट का भेजा ईमेल; अलर्ट मोड पर पुलिस

नई दिल्ली। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और दिल्ली मुख्यमंत्री सचिवालय को बम विस्फोट से उड़ा देने की धमकी दी गई है। दिल्ली पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। दिल्ली पुलिस के अनुसार, ईमेल के जरिए मिली धमकी में एमएएमसी और मुख्यमंत्री सचिवालय में संभावित विस्फोट की बात कही गई थी। वहीं, जीटीबी अस्पताल के परिसर में बने यूसीएमएस कॉलेज को भी धमकी भरा ईमेल भेजा गया है। दिल्ली पुलिस आयुक्त निधिन वल्सन ने बताया कि एमएएमसी के डीन को भेजे गए ईमेल में किसी विशिष्ट धमकी का उल्लेख नहीं था। सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते को घटनास्थल पर तैनात किया गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, 'अतिरिक्त डीसीपी ऋषि, एसीपी कमला मार्केट सुलेखा और एक आतंकवाद-निरोधी अधिकारी, निरीक्षक और आईपी स्टेट के साथ, सचिवालय में गहन जांच कर रहे हैं। इसमें आतंकवाद-निरोधी उपाय, सहायता जांच और डॉग स्क्वॉड की तैनाती भी शामिल है। हम क्षेत्र की जांच कर रहे हैं और सभी आतंकवाद-निरोधी उपाय कर रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'हम पूरे क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे हैं और मौलाना आजाद कॉलेज में भी सभी आवश्यक सावधानियां बरत रहे हैं, क्योंकि कॉलेज को भी ईमेल मिला है। एसएचओ आईपी स्टेट वहां ऑपरेशन का नेतृत्व कर रहे हैं। ईमेल एक आउटलुक आईडी से आया है। हमारी एसएचओ साइबर टीम जांच कर रही है और अन्य एजेंसियों तथा दिल्ली पुलिस की विशेष इकाइयों के साथ समन्वय कर रही है ताकि ईमेल के स्रोत का पता लगाया जा सके... हमारी जांच जारी है, और हम सुनिश्चित करेंगे कि पूरे क्षेत्र की जांच हो।' डीसीपी वल्सन ने कहा कि ईमेल में किसी विशेष राज्य के राजनीतिक मुद्दों को उजागर किया गया प्रतीत होता है और संभवतः गलती से भेजा गया लगता है। फिर भी इसे गंभीरता से लिया जा रहा है। अब तक कोई धमकी नहीं मिली है, लेकिन क्षेत्र की जांच जारी है। प्रभावित राज्य की सरकार को सूचित कर दिया गया है। वे मानक संचालन प्रक्रियाओं (एसओपी) के अनुसार सभी आवश्यक सावधानी बरतेंगे। पुलिस अधिकारी ने आगे कहा कि यदि कोई ठोस धमकी की पुष्टि होती है, तो कानूनी कार्रवाई पर विचार किया जाएगा।

इमरजेंसी में एचएमआईए सॉफ्टवेयर से बेड और डॉक्टरों की उपलब्धता की कैसे मिलेगी जानकारी? हाईकोर्ट का सवाल

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली सरकार से पूछा कि स्वास्थ्य प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) सॉफ्टवेयर के जरिए लोगों को आपातकालीन स्थितियों में बिस्तरों और डॉक्टरों की उपलब्धता के बारे में कैसे पता चलेगा? डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा की घटनाओं के मद्देनजर 2017 में स्वतः संज्ञान लेकर दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने स्वास्थ्य सचिव को स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि रिपोर्ट में एचएमआईएस सॉफ्टवेयर में लागू किए जाने वाले मॉड्यूल की कुल संख्या, वास्तव में लागू किए गए मॉड्यूल और सभी अस्पतालों में उनकी स्थिति के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। कोर्ट ने रिपोर्ट में शेष मॉड्यूल के कार्यान्वयन के बारे में भी एक निश्चित समय-सीमा के साथ विवरण देने को कहा। कोर्ट ने यह निर्देश तब दिए जब दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य सचिव ने न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. सिंह और न्यायमूर्ति मनमीत प्रीतम सिंह अरोड़ा की पीठ को बताया कि एचएमआईएस सॉफ्टवेयर विकसित करते समय डॉ. एसके सरीन समिति की रिपोर्ट में की गई विभिन्न सिफारिशों पर विचार किया गया है। इस पर पीठ ने एम्स निदेशक को सभी संबंधित अधिकारियों की बैठक बुलाकर अगली सुनवाई तक कोर्ट के समक्ष स्थिति रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया। पीठ ने कहा कि रिपोर्ट में इस प्रश्न का स्पष्ट उत्तर होना चाहिए कि क्या आपात स्थिति में, जब कोई मरीज हेल्पलाइन नंबर पर कॉल करता है, तो क्या एचएमआईएस सॉफ्टवेयर ऐसे मरीज को ऐसे अस्पताल तक पहुँचा पाएगा जहाँ बिस्तर और आवश्यक विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध हों। पीठ ने यूपीएससी को रेडियोलॉजिस्ट की भर्ती प्रक्रिया जारी रखने और अगली सुनवाई से पहले दिल्ली सरकार को आवश्यक दस्तावेज जमा करने का भी निर्देश दिया। मामले में आगे की सुनवाई 31 अक्टूबर को होगी।

दिल्ली की सरकार बदली तो 1500 बेरोजगारों की नौकरी अटकी, ट्रेनिंग दिए जाने के बावजूद भटकने को मजबूर

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के रोजगार कार्यालय के माध्यम से जिन युवाओं को कॉल लेटर देकर बुलाया गया और डीटीसी कंडक्टर का प्रशिक्षण तक दिलाया गया, लेकिन अब इन्हें नौकरी नहीं मिल रही है। इसकी वजह सरकार बदलना भी है। नई सरकार इन्हें कंसीडर ही नहीं कर रही है। ये बेरोजगार युवा इधर-उधर धक्के खा रहे हैं। इनकी संख्या 1500 से अधिक है। इनमें लड़कियों की संख्या भी काफी है, उनका कहना कि दिल्ली में मुख्यमंत्री के पद पर एक महिला हैं, इन्हें उम्मीद है कि सरकार उनकी बात जरूर सुनेगी। मामले की स्थिति पर जाएं तो 2022 में अगस्त से लेकर मार्च 2023 तक रोजगार कार्यालय ने कॉल लेटर के माध्यम से इन्हें बुलाया था और डीटीसी में अनुबंध के आधार पर कंडक्टर की नौकरी के बारे में सूचना दी गई थी। इन लोगों ने डीटीसी मुख्यालय पहुंचकर अपने दस्तावेज, कंडक्टर का लाइसेंस आदि की प्रति जमाई, इनका मेडिकल हुआ, मेडिकल होने के बाद में इन्हें कंडक्टर का सात दिन का प्रशिक्षण भी डीटीसी की तरफ से दिलाया गया। इसके बाद इन्हें कहा गया कि अब डीटीसी डिपो देने के लिए इन्हें पत्र देकर बुलाया जाएगा। ये लोग इस उम्मीद में थे कि अब नौकरी मिल ही जाएगी, मगर तीन साल बीत जाने के बाद भी उनके घर वह पत्र नहीं पहुंचा है। ये लोग आज भी उस पत्र का इंतजार कर रहे हैं।

वाहनों के लिए खोला गया पुराना लोहा पुल, यमुना का जलस्तर बढ़ने के बाद से था बंद

नई दिल्ली। दिल्ली के लोगों को लिए राहत भरी खबर है। यमुना नदी का जलस्तर घटने के बाद मंगलवार यानी 9 सितंबर को पुराना लोहा पुल को वाहनों के लिए खोल दिया गया है। इससे पहले, यमुना का जलस्तर बढ़ने की वजह से पुल से वाहनों का आवागमन बंद कर दिया था। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। हालांकि अभी तक लोहा पुल के पास लगे टेंट को नहीं हटाया गया है क्योंकि यहां अभी भी बाढ़ से प्रभावित लोग रह रहे हैं। मयूर विहार फेज-1 में लगाए गए अतिरिक्त टेंट यमुना के जलस्तर से प्रभावित लोगों के लिए प्रशासन ने सुविधाएं बढ़ा दी हैं। मयूर विहार फेज-एक और डीएनडी के पास 20 टेंट अतिरिक्त लगाए गए हैं। ताकि लोगों को परेशानी न हो। बारिश की वजह से लोगों को काफी समस्या हो रही थी। लोग इंतजार में हैं खादर में पानी खादर क्षेत्र में कब कम होगा और वह अपने घरों को लौटेंगे। मयूर विहार विहार फेज-एक में राहत शिविर में रह रहे शिव शंकर ने बताया कि पहले प्रभावित लोगों को काफी परेशानी हो रही थी। प्रशासन से शिकायत की गई थी। लोगों की समस्या को ध्यान में रखते हुए टेंट की संख्या बढ़ा दी गई है। पहले लाइट की व्यवस्था नहीं थी। अधिकतर टेंट में लाइट दी गई है। पुराना लोहा पुल के पास टेंट में रह रहे संदीप ने कहा कि यमुना का जलस्तर घटने लगा है। खादर क्षेत्र में पानी घट रहा है। वहां पानी घटते ही लोग अपना सामान लेकर वापस झुग्गियों में चले जाएंगे। बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं : अजय कुमार उत्तर पूर्वी जिलाधिकारी अजय कुमार ने कहा कि जल स्तर से प्रभावित हुए लोगों को बेहतर सुविधाएं दी जा रही हैं। उनके रहने व खाने-पीने समेत अन्य सुविधाएं प्रशासन ने उपलब्ध करवाई हुई है। वह खुद एसडीएम के साथ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण कर रहे हैं। राहत शिविरों में जा रहे हैं। लोगों से मिल रहे हैं और उनकी समस्याओं के बारे में सुन रहे हैं। दिन व रात दोनों समय में प्रशासन के अधिकारी लोगों की सुविधा के लिए हाजिर हैं। जिलाधिकारी ने हिदायत दी कि जल स्तर भले ही घट रहा है, लेकिन यमुना के किनारे पर जाना किसी खतरे से खाली नहीं है। लोग अभी बोटिंग न करें।

'फर्नीचर-बर्तन और बच्चों की किताबें बाढ़ के पानी बह गईं', आतिशी ने सरकार के सामने रखी ये बड़ी मांग

दिल्ली में बाढ़ से पीड़ित परिवार अभी भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। घरों में रखा सामान पानी में बह गया है जिससे लोगों को उधार लेकर गुजारा करना पड़ रहा है। दिल्ली विधानसभा की नेता विपक्ष आतिशी ने सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए

नई दिल्ली। दिल्ली में बाढ़ ने हजारों परिवारों की जिंदगी उजाड़ दी है। जिसके चलते बाढ़ से प्रभावित परिवार अब भी मदद का इंतजार कर रहे हैं। घरों में रखा सामान, फर्नीचर, बर्तन, बच्चों की किताबें, यहां तक कि लोगों के जरूरी कागज तक पानी में बह गए। बताया गया कि कई इलाकों में अब भी लोग उधार लेकर गुजारा कर रहे हैं, लेकिन सरकार की तरफ से राहत का इंतजार लंबा होता जा रहा है। जिन परिवारों को आज तुरंत मदद चाहिए थी, उन्हें सरकार के दफ्तरों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसी हालात को लेकर दिल्ली विधानसभा की नेता विपक्ष आतिशी ने डिजिटल प्रेस कॉन्फ्रेंस कर रेखा गुप्ता सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा कि सरकार की लापरवाही ने बाढ़ पीड़ितों की मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। आतिशी ने मांग रखी कि हर प्रभावित परिवार के सभी बड़े सदस्यों को कम से कम 18,000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाए। जिन किसानों की फसल पूरी तरह बर्बाद हो गई है, उन्हें 20,000 रुपये प्रति एकड़ मुआवजा मिले। बाढ़ में बच्चों की पढ़ाई बुरी तरह प्रभावित हुई है, उनकी कॉपियां और किताबें बह गई हैं, इसलिए तुरंत नई किताबें और पढ़ाई का सामान उपलब्ध कराया जाए। साथ ही, जिन परिवारों के जरूरी कागजात और दस्तावेज बर्बाद हो गए हैं, उनके लिए राहत कैंप लगाकर नए दस्तावेज बनाए जाएं। आतिशी ने कटाक्ष करते हुए कहा कि जब लोग अपने घर बचाने के लिए पानी में डूबते-उतराते रहे, उस समय सरकार सिर्फ बयानबाजी करती रही। उन्होंने कहा कि यह बेहद दुख की बात है कि आज की सरकार जनता को उनके हाल पर छोड़कर चुप बैठी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि जब दिल्ली में आम आदमी पार्टी की सरकार थी, तब हालात अलग थे। चाहे प्रदूषण का संकट आया हो, बारिश और पानी भराव की समस्या रही हो या फिर महामारी जैसी आपदा- आप सरकार ने हमेशा तुरंत राहत पैकेज और मदद पहुंचाई। लोगों को भरोसा था कि संकट की घड़ी में सरकार उनके साथ खड़ी मिलेगी। लेकिन आज वही दिल्लीवासी खुद को बेसहारा महसूस कर रहे हैं। जनता अब साफ-साफ देख रही है कि पहले की सरकार और आज की सरकार में कितना बड़ा फर्क है। पहले जहां उन्हें भरोसा और राहत मिलती थी, वहीं अब सिर्फ इंतजार और निराशा है। रेखा गुप्ता सरकार की चुप्पी और नाकामी ने यह साबित कर दिया है कि दिल्ली की जनता की चिंता अब बीजेपी सरकार की प्राथमिकता में नहीं है।

कोठी में अर्धनग्न हालत में मिला नेपाली महिला का शव, घर में करती थी मेड का काम

करनाल : करनाल की दयाल सिंह कॉलोनी स्थित एक कोठी में काम करने वाली नेपाली महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के अनुसार 26 वर्षीय महिला पिछले 3 साल से इस कोठी में मेड का काम कर रही थी। बीती रात अचानक उसकी तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। इस घटना के बाद मृतका के परिजनों ने मकान मालिक पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि महिला अर्धनग्न अवस्था में पाई गई और उसके शरीर पर चोट के निशान थे। परिजनों और नेपाल से आए सामाजिक संगठनों का आरोप है कि महिला के साथ गलत काम किया गया है। फिलहाल पुलिस ने कहा है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के सही कारणों का पता चल पाएगा। डीएसपी राजीव ने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जाएगी और मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है और लोग निष्पक्ष जांच की मांग कर रहे हैं।

बरसात में नर्क बना डेयरी काम्पलैक्स, गंदगी में ही निकाला जा रहा दूध, पशुपालक बोले- आत्मदाह की अनुमति दो

यमुनानगरः बरसात में और बरसात के बाद यदि किसी को नर्क देखना हो तो नगर निगम द्वारा बनाए दडवा डेयरी काम्पलैक्स को देख ले। इन दिनों यह डेयरी काम्पलैक्स किसी नर्क से कम नहीं है। न पशुओं के लिए न पशुपालकों के लिए यहां कोई बैठने का, चलने फिरने का कोई स्थान बचा है और न ही यहां बाहर से आने वाले के लिए कोई सुरक्षित रास्ता है। बार-बार नगर निगम के साथ-साथ सरकार को इस ओर ध्यान देने की गुहार लगाने के बाद भी इस और किसी का ध्यान नहीं गया और हालात बद से बदतर हो गए। अब तो पशुपालक यहां से पलायन करने का मन बना रहे हैं, क्योंकि न यहां कोई सुविधा है और न ही किसी प्रकार की सुविधा की कोई भविष्य में उम्मीद। ऐसे में पशुपालक चाहते हैं कि या तो यहां की स्थिति में सुधार लाया जाए या फिर इन आत्मदाह की अनुमति दी जाए। डेयरी काम्पलैक्स में डेयरी शिफ्ट करने वाले पशुपालक कुलदीप मेहता, भल्ला, सोनू, जग्गा, सतपाल मेहता, जितेंद्र लांबा, संजय पाहवा तथा अन्य ने बताया कि करीब एक दशक पहले उन्होंने शहर से अपने डेरियां यहां शिफ्ट की थी। नगर निगम ने उन्हें आश्वासन दिया था कि उन्हें हर प्रकार की सुविधा व जरूरत का समान यहां उपलब्ध करवाया जाएगा, लेकिन यहां आने के बाद उन्हें पूछा नहीं गया। पशुपालकों का कहना था कि अब तो इनके पशु दलदल में बैठने को मजबूर हैं। न पानी की निकासी का कोई इंतजाम है न गोबर मूत्र की। गोबर की दलदल में ही पशु बैठे हैं और वहीं बैठकर पशुपालकों को भी उनका दूध निकालना पड़ रहा है। कई पशुपालक चर्म रोग के शिकार हो चुके हैं। पशुओं को देखने के लिए कोई डॉक्टर तक नहीं आता क्योंकि यहां तक पहुंचाने का कोई रास्ता ही नहीं बचा है। पशुओं के लिए यदि चारे की जरूरत पड़ती है तो कोई चारे वाला यहां नहीं पहुंचता।

ऐसे में कोई भी व्यक्ति सहज ही उनकी हालत का अंदाजा लगा सकता है।

बार-बार निगम के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों को इस बारे लिखा व मौखिक रूप से कहा जा रहा है। हर बार केवल आश्वासन ही मिल रहा है। पशुपालकों का कहना है कि जिस दिन वह बगावत पर आए तो नगर निगम को भी भारी पड़ेंगे और शासन प्रशासन को भी। बरसात के बाद भी निकासी का कोई इंतजाम नहीं है चारों ओर कीचड़ तथा दलदल है। पशुपालकों की मांग है कि कम से कम एक बार आकर उनके परिसर को देखा तो जाए की इनके पशु व यह खुद किस हालत में रह रहे हैं। जल्द ही सकारात्मक कार्रवाई होगीः मेयर इस संबंध में नगर निगम की मेयर सुमन बहमनी का कहना कि जल्द ही इस दिशा में सकारात्मक कार्रवाई होगी। इस संबंध में उन्होंने अधिकारियों की बैठक भी ली है और उन्हें दिशा-निर्देश जारी कर कहा कि डायरी परिसर के हालत सुधारे जाए। सुमन ने बताया कि जल्द ही इस दिशा में कार्य होगा सकारात्मक परिणाम सामने आएंगे।

20 साल से पंचायती जमीन पर रह रहे परिवारों के लिए खुशखबरी, सरकार ने जा रही है ये खास तोहफा

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में मकानों के नुकसान की भरपाई के लिए बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी जिलों में जलभराव से प्रभावित मकानों का विस्तृत सर्वेक्षण कराया जाए। इसमें पूरी तरह गिर चुके घरों के साथ-साथ आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त मकानों को भी शामिल किया जाएगा। सरकार ने स्पष्ट किया है कि केवल मालिकाना हक वाली जमीन पर बने मकानों तक ही मदद सीमित नहीं रहेगी। जो परिवार पिछले 20 वर्षों से पंचायती जमीन या अन्य प्रकार की सरकारी भूमि पर रह रहे हैं, और जिनके मकान बाढ़ से क्षतिग्रस्त हुए हैं, उन्हें भी मुआवजे का लाभ दिया जाएगा। संबंधित परिवारों की सूची तैयार करने के निर्देश सभी उपायुक्तों को भेज दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी भी प्रभावित परिवार को राहत से वंचित नहीं रखना है। इस कदम से उन हजारों परिवारों को सीधा फायदा पहुंचेगा जो दशकों से बिना मालिकाना हक वाली जमीन पर रह रहे हैं और प्राकृतिक आपदा में उनका घर उजड़ गया है।

एनीमिया नियंत्रण में हरियाणा की बड़ी उपलब्धि, राष्ट्रीय स्तर पर मिला दूसरा स्थान

डेस्कः हरियाणा ने एनीमिया उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति करते हुए देशभर में दूसरा स्थान हासिल किया है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 की पहली तिमाही में हरियाणा ने यह मुकाम हासिल किया है। गौरतलब है कि पिछले वर्ष राज्य इस सूची में आठवें स्थान पर था। एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत किया जा रहा व्यापक कार्य राज्य सरकार द्वारा 'एनीमिया मुक्त भारत अभियान' के तहत विभिन्न आयु वर्गों को लक्षित किया गया है, जिनमें शामिल हैंः-

6 से 59 महीने तक के बच्चे
5 से 9 वर्ष के बच्चे
10 से 19 वर्ष के किशोर
गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाली महिलाएं
प्रजनन आयु की महिलाएं

रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा ने 6 से 59 महीने तक के 77 प्रतिशत बच्चों और 5 से 9 वर्ष के 95 प्रतिशत बच्चों को इस अभियान के दायरे में लाया है। किशोरों की श्रेणी में यह कवरेज 95 प्रतिशत और प्रजनन आयु एवं गर्भवती/स्तनपान कराने वाली महिलाओं में 93 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यह दर्शाता है कि राज्य धीरे-धीरे एनीमिया जैसी गंभीर समस्या से बाहर निकलने की दिशा में अग्रसर है। अब भी चुनौतियां बरकरार

हालांकि उपलब्धियां सराहनीय हैं, लेकिन कुछ चुनौतियां अब भी बनी हुई हैं। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, 15 से 49 वर्ष की महिलाओं में एनीमिया के मामलों में हरियाणा देशभर में 11वें स्थान पर है, जबकि चंडीगढ़ 12वें स्थान पर है। हरियाणा में इस आयु वर्ग की 60.4% महिलाएं एनीमिया से पीड़ित हैं। तुलना करें तो पंजाब में यह दर 58.7% और हिमाचल प्रदेश में 53.0% है। यानी हरियाणा में एनीमिया से ग्रसित महिलाओं की दर पंजाब से 3.2% और हिमाचल से 7.5% अधिक है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (NHM), हरियाणा के निदेशक डॉ. वीरेंद्र यादव ने बताया कि राज्य ने 6x6x6 मॉडल को प्रभावी रूप से लागू किया है। इस मॉडल के अंतर्गत छह आयु समूहों को, छह प्रमुख हस्तक्षेपों के जरिए, छह संस्थागत तंत्रों के माध्यम से लक्षित किया गया। डॉ. यादव ने कहा, हम समझते हैं कि स्तनपान कराने वाली माताओं को इस अभियान से जोड़ना एक बड़ी चुनौती है, जिस पर विशेष रूप से काम किया जा रहा है। हमारा लक्ष्य हरियाणा को पूरी तरह से एनीमिया मुक्त बनाना है, और इसके लिए हम सतत प्रयासरत हैं।

कैसे शुरू हुई थी पत्रकारों की पेंशन, मंत्री कृष्ण बेदी ने किया खुलासा

यमुनानगर : मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन लगातार पत्रकारों के कल्याण और सहयोग के लिए काम कर रही है। इसी क्रम में आज यमुनानगर में 3 पत्रकारों को आर्थिक सहायता प्रदान की गई। इस अवसर पर हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, अनुसूचित जातियां एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री कृष्ण बेदी ने पीड़ित पत्रकारों को चेक प्रदान किए। यमुनानगर में मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के महासचिव सुरेंद्र मेहता के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे मंत्री कृष्ण बेदी ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि पत्रकारों की पेंशन बढ़ाने के मुद्दे को वह मुख्यमंत्री के समक्ष उठाएंगे। उन्होंने कहा कि पत्रकार समाज का महत्वपूर्ण अंग हैं और उनके हितों की रक्षा करना सरकार की जिम्मेदारी है। मंत्री ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे कदम पत्रकारों को न केवल आर्थिक सहयोग प्रदान करते हैं बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाते हैं। एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर धरनी ने कहा कि यदि किसी पत्रकार के साथ दुर्घटना घटती है तो एसोसिएशन तुरंत सक्रिय होकर उनकी मदद करती है। उन्होंने आश्वासन दिया कि भविष्य में भी यह संगठन पत्रकारों के अधिकारों और सुरक्षा के लिए निरंतर कार्य करता रहेगा। इस मौके पर उन्होंने मंत्री कृष्ण बेदी से अनुरोध किया कि वे पत्रकारों की आवाज को मुख्यमंत्री तक पहुंचाने में सहयोग करें। विशेष रूप से उन्होंने आग्रह किया कि पत्रकारों की पेंशन, जो वर्तमान में 15,000 रुपये है, उसे बढ़ाकर 30,000 रुपये किया जाए, ताकि सेवानिवृत्त पत्रकार अपने परिवार का पालन-पोषण सम्मानजनक तरीके से कर सकें। कार्यक्रम का आयोजन वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रदेश महासचिव सुरेंद्र मेहता के निवास स्थान पर किया गया। इस मौके पर मीडिया वेलबिंग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष चंद्रशेखर धरनी भी मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि एसोसिएशन से जुड़े पत्रकारों के लिए हर साल 10-10 लाख रुपये का बीमा कराया जाता है, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में पत्रकारों के परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। उन्होंने कहा कि संगठन की प्राथमिकता पत्रकारों और उनके परिवारों की सुरक्षा और भलाई है।

हरियाणा में 50 प्रतिशत वीटा बूथ महिलाओं के लिए रिजर्व, सीएम सैनी की अध्यक्षता में लिया फैसला

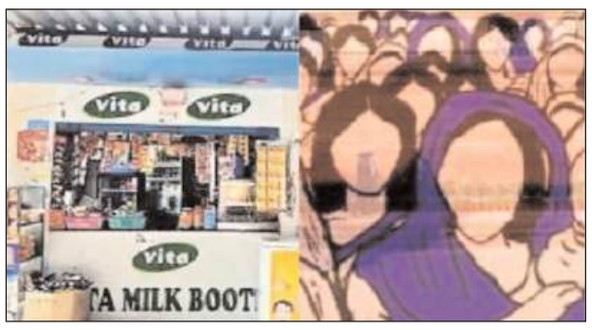

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा निर्णय लिया है। अब प्रदेश में स्थापित होने वाले नए वीटा बूथों में से 50 प्रतिशत बूथ महिलाओं के लिए आरक्षित होंगे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को सहकारिता विभाग की बैठक में यह घोषणा की। उन्होंने कहा कि बूथों के लिए स्थान जल्द तय किए जाएंगे और महिलाओं को प्राथमिकता देते हुए अलॉटमेंट किया जाएगा। सीएम ने अधिकारियों को महिला सीएम पैक्स के गठन और संचालन की प्रक्रिया को तेज करने के निर्देश भी दिए। उनका कहना था कि इससे ग्रामीण महिलाओं को संगठित कर उन्हें आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिए कि सभी सहकारी बैंकों को आधुनिक आईटी सुविधाओं से लैस किया जाए, ताकि किसानों और उपभोक्ताओं को पारदर्शी व समयबद्ध सेवाएं मिल सकें।

इंद्री में डेंगू की दस्तक, भोजी खालसा गांव में मिला पहला मरीज, स्वास्थ्य विभाग अलर्ट

इंद्री : इंद्री में डेंगू ने दस्तक दे दी है। डेंगू का पहला मामला गांव भोजी खालसा से सामने आया है। डेंगू का केस मिलने के बाद स्वास्थ्य विभाग सतर्क हो गया है। डेंगू मरीज की पहचान 58 वर्षीय सत्यवान के तौर पर हुई है, जिसे इंद्री नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। गांव भोजी में डेंगू के संभावित कारणों की जांच की दूसरी ओर स्वास्थ्य विभाग ने स्थिति को गंभीरता से लेते हुए तुरंत एक विशेष टीम को गांव भोजी खालसा रवाना किया, जो गांव में डेंगू के संभावित कारणों की जांच कर रही है। टीम द्वारा गांव में फॉगिंग, सर्वे और लार्वा नष्ट करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। डेंगू मरीज अस्पताल में भर्तीः मेडिकल ऑफिसर डेंगू केस मिलने पर नागरिक अस्पताल के मेडिकल ऑफिसर डॉ. दीपक कश्यप ने बताया कि भोजी खालसा गांव में डेंगू का एक मरीज मिला है, जिसे समय पर अस्पताल में भर्ती करा दिया गया है। जांच की प्रक्रिया जारी है। उन्होंने कहा कि डेंगू को लेकर स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह से अलर्ट पर है और सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।। साथ में डॉ. कश्यप ने इलाके के लोगों से अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास की जगहों पर साफ-सफाई बनाए रखें, पानी जमा न होने दें और मच्छरों से बचाव के लिए मच्छरदानी और जालीदार खिड़कियों का प्रयोग करें। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी को तेज बुखार, बदन दर्द, सिर दर्द या प्लेटलेट्स की कमी जैसे लक्षण दिखें तो तुरंत नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि डेंगू मच्छर साफ पानी में पनपता है, इसलिए लोगों को सावधानी बरतने की जरूरत है। स्वास्थ्य विभाग ने आगामी दिनों में गांवों में डेंगू से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाने की योजना भी बनाई है।

इस जिले में 4680 करोड़ से बनेगा इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर, देश की रक्षा में निभाएगा अहम योगदान

चंडीगढ़ : हरियाणा सरकार ने रक्षा विनिर्माण और एयरोस्पेस सेक्टर को नई दिशा देने के लिए बड़ा कदम उठाया है। करनाल में एक अत्याधुनिक क्रू ट्रेनिंग सेंटर स्थापित किया जाएगा, जो विमानन प्रशिक्षण और कौशल विकास का प्रमुख केंद्र बनेगा। यह पहल राज्य की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है जिसके तहत हरियाणा को एयरोस्पेस और डिफेंस में अग्रणी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। सोमवार को नागरिक उड्डयन आयुक्त एवं सचिव अमनीत पी. कुमार की अध्यक्षता में हुई बैठक में जानकारी दी गई कि करनाल के अलावा हिसार स्थित इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर (आईएमसी) को देश का प्रमुख एयरोस्पेस एवं रक्षा केंद्र विकसित किया जाएगा। इस परियोजना को हरियाणा एयरोस्पेस एंड डिफेंस कॉर्पोरेशन (HADC) और नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन ट्रस्ट (NICDCT) मिलकर विकसित करेंगे। इसमें HADC की 51 प्रतिशत और NICDCT की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। लगभग 2,988 एकड़ भूमि पर बनने वाली इस परियोजना की कुल लागत 4,680 करोड़ रुपये आंकी गई है, जिसे दो चरणों में पूरा किया जाएगा। 937 एकड़ भूमि की मिल चुकी मंजूरी पहले चरण में लगभग 980 एकड़ भूमि औद्योगिक इकाइयों के विकास के लिए समर्पित की जाएगी, जबकि शेष भूमि पर सड़क नेटवर्क, हरित क्षेत्र, यूटिलिटी और अन्य सहायक ढांचे तैयार होंगे। अब तक 937 एकड़ भूमि के लिए पर्यावरणीय मंजूरी मिल चुकी है और दिसंबर 2025 तक शेष भूमि को भी मंजूरी मिलने की उम्मीद है।25 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार अमनीत पी. कुमार ने बताया कि नई एयरोस्पेस और डिफेंस पॉलिसी का उद्देश्य अगले पांच वर्षों में एक बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश आकर्षित करना है। इससे लगभग 25 हजार लोगों को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। साथ ही राज्य में उत्कृष्टता केंद्र, अनुसंधान इकाइयां और विश्वस्तरीय स्किल डेवलपमेंट संस्थान भी स्थापित होंगे।

पूर्व सांसद चरणजीत रोड़ी ने छोड़ी कांग्रेस, भाजपा का दामन थामा

सिरसा : प्रदेश की सियासत में बड़ा फेरबदल देखने को मिला है। सिरसा से पूर्व सांसद चरणजीत रोड़ी ने कांग्रेस पार्टी को अलविदा कहते हुए भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली है। रोड़ी के पार्टी बदलने को आगामी चुनावी समीकरणों में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और नेतृत्व से प्रभावित होकर यह कदम उठाया है। भाजपा नेताओं ने उनके शामिल होने का स्वागत किया और विश्वास जताया कि उनके अनुभव से पार्टी को मजबूती मिलेगी। इधर, कांग्रेस खेमे में इसे बड़ा झटका माना जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, सिरसा क्षेत्र की राजनीति पर इस फैसले का सीधा असर पड़ सकता है। बता दें कि चरणजीत सिंह रोड़ी इनेलो से साल 2014 में सिरसा लोकसभा सीट जीते थे। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी अशोक तंवर को 115736 वोटों से हराया था। बाद में कांग्रेस में शामिल हो गए थे।उनके इस कदम को प्रदेश की राजनीति में महत्वपूर्ण माना जा रहा है और माना जा रहा है कि इससे सिरसा सहित आसपास के इलाकों के राजनीतिक समीकरण प्रभावित होंगे।

हरियाणा की जेलें होंगी हाई-टेक, अपराधियों की होगी यूनिक पहचान

हरियाणा : हरियाणा से एक बड़ी खबर सामने आई है। प्रदेश की जेलों को अब हाई-टेक बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। अपराधियों की पहचान को और अधिक सटीक एवं आधुनिक बनाने के लिए हरियाणा की 20 जेलों में मेजरमेंट कलेक्शन यूनिट (MCU) और फिंगर एनरोल्ड डिवाइस (FED) लगाए जाएंगे। इन तकनीकों की मदद से अपराधियों की यूनिक बायोमेट्रिक प्रोफाइल तैयार की जाएगी, जिसमें उंगलियों के निशान, चेहरे की विशेषताएं, रेटिना स्कैन और डीएनए सैंपल शामिल होंगे। यह जानकारी 75 वर्षों तक संग्रहित की जा सकेगी।

इस संबंध में महानिदेशक, कारागार आलोक कुमार राय ने जानकारी देते हुए बताया कि यह पहल पारंपरिक पहचान प्रणाली से आगे बढ़ते हुए अपराधियों की सटीक निगरानी, ट्रैकिंग और गतिविधियों का विश्लेषण करने में सहायक होगी। MCU से एकत्रित किए गए डेटा को स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (SCRB) के पास सुरक्षित रखा जाएगा और इसे नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (NCRB) के साथ भी साझा किया जाएगा। इसके अलावा, फिंगरप्रिंट्स और रेटिना स्कैन की जानकारी नेशनल ऑटोमेटेड फिंगरप्रिंट आइडेंटिफिकेशन सिस्टम (NAFIS) में सीधे अपलोड की जाएगी। NAFIS एक ऐसा राष्ट्रीय डेटाबेस है जिसमें देशभर के अपराधियों, बंदियों और संदिग्धों का डाटा दर्ज होता है। इससे अपराधियों के नेटवर्क को ट्रैक करना और अपराधों की रोकथाम करना अधिक प्रभावी हो सकेगा। पंचकूला सेक्टर-14 स्थित कार्यालय में आलोक कुमार राय ने कहा कि यह तकनीकी पहल राज्य में आपराधिक न्याय प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाएगी।

हरियाणा के इस जिले में राशन की कमी, इन परिवारों को नहीं मिलेगा गेहूं

हरियाणा: हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में गरीब परिवारों के लिए सितंबर माह का राशन संकट में है। खाद्य आपूर्ति विभाग द्वारा भेजी गई मांग और मुख्यालय से प्राप्त आवंटन में अंतर के कारण हजारों परिवारों को पूरा गेहूं नहीं मिल पाएगा। जिले के 280 डिपो धारकों ने इस माह के लिए कुल 32,134 किलो गेहूं की मांग की थी, जबकि मुख्यालय से केवल 28,496 किलो गेहूं ही भेजा गया, जो 3,638 किलो कम है। विभागीय आंकड़ों के अनुसार, इस कमी से लगभग 3,000 परिवार प्रभावित होंगे। जिले में वर्तमान में 1,65,092 बीपीएल और एएवाई कार्ड धारक हैं। बीपीएल कार्ड धारकों को प्रति व्यक्ति पाँच किलो गेहूं, एक किलो चीनी और दो किलो सरसों का तेल मिलता है, जबकि एएवाई कार्ड धारकों को प्रति माह 35 किलो गेहूं, एक किलो चीनी और दो किलो सरसों का तेल दिया जाता है। राशन की कमी के कारण कार्डधारकों को डिपो पर पूरा राशन नहीं मिल पाएगा, जिससे लाभार्थियों और डिपोधारकों के बीच विवाद की स्थिति बन सकती है। खाद्य आपूर्ति विभाग के स्टॉक हेड कुलदीप भारद्वाज ने बताया कि विभाग ने मांग के अनुसार गेहूं की आपूर्ति शुरू कर दी थी, लेकिन मुख्यालय से आवंटन में कमी आई है। विभाग ने इस कमी की सूचना मुख्यालय को दे दी है और जल्द ही अतिरिक्त गेहूं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा ताकि गरीब परिवारों को परेशानी न हो। वर्तमान में जिले में 28,495 किलो गेहूं वितरित किया जाएगा, जो पिछले माह के आवंटन और शेष राशि है।

डेरी में 8 गर्भवती गायों की मौत, 4 गंभीर, जीत चुकी थी पहला ईनाम

कुरुक्षेत्र : लाडवा क्षेत्र के गांव निवारसी स्थित एक दूध डेरी में रविवार देर रात बड़ी घटना हो गई। डेरी मालिक सम्राट सिंह के अनुसार चारा खाने के बाद 8 गर्भवती गायों की मौत हो गई, जबकि 4 की हालत गंभीर है। इसके अलावा 8-10 अन्य गायें भी बीमार हैं, जिनका इलाज चल रहा है।

डेरी मालिक सम्राट सिंह ने बताया कि उन्होंने करीब 14 वर्ष पहले यह डेरी फार्म शुरू किया था और वर्तमान में यहां 300 से अधिक गायें हैं। रविवार दोपहर लगभग 2 बजे गायों को घर पर तैयार चारा दिया गया था, जिसमें फीड भी मिलाया गया था। देर रात करीब 11 बजे कई गायों की तबीयत अचानक बिगड़ने लगी। दवाइयां देने के बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ और सुबह तक 8 गायों की मौत हो गई। चारा कंपनी पर आरोप सूचना मिलते ही पशुपालन विभाग की टीम और पुलिस मौके पर पहुंच गई। डेरी मालिक ने आरोप लगाया कि एक खास फीड कंपनी का चारा खाने से ही यह हादसा हुआ है। उनका कहना है कि इससे उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है। हालांकि इन गायों की मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही होगा।2 गायों ने जीता था ईनाम सम्राट सिंह ने बताया कि मृत गायों में से 2 पुरस्कार विजेता भी थीं। इनमें से एक गाय ने पंजाब के लुधियाना के जगराओं मेले में 72.200 किलो दूध देकर प्रथम स्थान हासिल किया था। दूसरी गाय ने अगले वर्ष 49.700 किलो दूध उत्पादन कर द्वितीय पुरस्कार जीता था।

एशिया कपः भारतीय टीम आज यूएई के खिलाफ बड़ी जीत के इरादे से उतरेगी

दुबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम बुधवार को यहां एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मैच में संयुक्त अरब अमीरात (युएई) के खिलाफ बड़ी जीत से शुरुआत करना चाहेगी। सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में एक से अधिक ऑलराउंडरों के साथ उतर सकती है। यहां की पिच से स्पिनरों को सहायता की उम्मीद को देखते हुए दो से तीन स्पिनर उतार सकती है। मुख्य कोच गौतम गंभीर के आने के बाद से ही बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनो को ही मजबूत करने के लिए ऑलराउंडरों को प्राथमिकता दी जा रही है। इससे टीम के पास निचले क्रम में भी अच्छे बल्लेबाज उतर रहे हैं। भारतीय टीम यूएई के खिलाफ सही संयोजन उतार कर रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले मैच के लिए अच्छी लय हासिल करना चाहेगी। भारतीय टीम के सामने यूएई काफी कमजोर है ऐसे में टीम प्रबंधन इस मैच में नये प्रयोग भी कर सकता है। वहीं दूसरी ओर यूएई के खिलाड़ियों को इस मैच से अच्छा अनुभव हासिल होगा। उसवके खिलाड़ियों के लिए ये बड़ा अवसर होगा। उसके बल्लेबाजों के लिए जसप्रीत बुमराह जैसे तेज गेंदबाज का सामना करना और मजबूत भारतीय बल्लेबाजी क्रम को गेंदबाजी करना बड़ी उपलब्धि होगी। इस मैच में भारतीय टीम के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज की भूमिका जितेश शर्मा को मिलना तय नजर आ रहा है। ऐसे में संजू सैमसन को बाहर बैठना होगा। जितेश को अच्छे फिनिशर होने से भी प्राथमिकता मिलेगी।

पारी की शुरुआत शुभमन गिल और आभिषेक शर्मा करेंगे

शीर्ष क्रम में उपकप्तान के तौर पर शुभमन की वापसी के बाद से ही सैमसन को जगह मिलना कठिन नजर आ रहा था। वहीं नंबर तीन पर तिलक वर्मा ने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और वह इसी नंबर पर उतरेंगे। कप्तान सूर्यकुमार यादव तीसरे या चौथे स्थान पर बल्लेबाजी के लिए उतर सकते हैं। इसके बाद ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या उतरेंगे। वह एक बेहतरीन तेज गेंदबाज होने के साथ ही अच्छे बल्लेबाज भी हैं। इसके अलावा ऑलराउंडर शिवम दुबे को भी धीमी पिच होने से अवसर

मिल सकता है।

नंबर 7 पर विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश उतरेंगे जबकि आठवें नंबर पर स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल उतरेंगे। वह अच्छे स्पिनर होने के साथ ही बेहतरीन बल्लेबाज भी हैं। बुमराह के अलावा बाएं हाथ के टी20 गेंदबाज अर्शदीप सिंह को भी इस मैच में अवसर मिलने जा रहा है। इस मैच में भारतीय टीम स्पिनर के तौर पर

अक्षर पटेल, कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती में से दो को उतार सकता है। अगर टीम प्रबंधन अक्षर के साथ अन्य स्पिनर को अंतिम एकादश में रखता है तो उसके पास कुलदीप और वरुण के रूप में दो अच्छे विकल्प हैं। यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक बेहतरीन अवसर है। वहीं दूसरी ओर मुहम्मद वसीम की कप्तानी वाली यूएई की टीम इस मैच में अपनी ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करेंगी। यूएई की टीम में भारतीय मूल कई खिलाड़ी भी है जो इस मैच में बेहतर प्रदर्शन कर अपनों को साबित करना चाहेंगे। उसके पास अर्यांश शर्मा जैसा खिलाड़ी है जिससे भारतीय टीम को विशेष रुप से सावधान रहना होगा। अर्यांश एक अच्छा बल्लेबाज और गेंदबाज है।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

भारत = अभिषेक शर्मा, शुबमन गिल (वीसी), तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव, अक्षर पटेल, हार्दिक पंड्या, संजू सैमसन/जितेश शर्मा, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवती, अर्शदीप सिंह, जसप्रीत बुमराह

यूएई = मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

एशिया कप मैच से पहले ही भारत-पाक के बीच तनाव, प्रेस कॉन्फ्रेंस में दोनों कप्तानों ने नहीं मिलाया हाथ

दुबई (एजेंसी)। एशिया क्रिकेट काउंसिल (ACC) ने एशिया कप से पहले मंगलवार को पारंपरिक कप्तानों की प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की, जहां सभी 8 प्रतिभागी टीमों के कप्तान 2025 एशिया कप की शुरुआत से पहले मिले। ज्यादातर सवाल पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा और भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव से पूछे गए। हालांकि जिस पल की चर्चा पूरे सोशल मीडिया पर हुई, वह वह था जब दोनों भारतीय और पाकिस्तान के कप्तानों ने एक-दूसरे को नजरअंदाज करते हुए हाथ नहीं मिलाया।

प्रेस कॉन्फ्रेंस खत्म होते ही सलमान अपनी सीट से उठे और हांगकांग तथा ओमान के कप्तानों के साथ मंच से उतर गए। दूसरी ओर सूर्यकुमार अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश के कप्तानों के साथ थोड़ी बातचीत के लिए वहीं रुके। सभी ने हाथ मिलाया, गले मिले और फिर मंच से उतर गए।

दिलचस्प बात यह है कि इस साल यह पहली बार नहीं था जब भारतीय खिलाड़ियों का हाथ मिलाना, या हाथ न मिलाना, चर्चा का विषय बना। इससे पहले इसी साल गर्मियों में 5 मैचों की एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी सीरीज के लिए इंग्लैंड दौरे के दौरान इसी तरह के एक वाकये ने सोशल मीडिया पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों के बीच काफी बहस छेड़ दी थी।

ओल्ड ट्रैफर्ड में चौथे टेस्ट के दौरान ऐसा ही हुआ, जब इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ड्रॉ स्वीकार करते हुए भारत के रवींद्र जडेजा और वाशिंगटन सुंदर से हाथ मिलाने की पेशकश की। लेकिन दोनों भारतीय बल्लेबाजों ने इनकार कर दिया और अपने-अपने शतक बनाने के लिए बल्लेबाजी जारी रखी जिसके बाद दोनों टीमों के खिलाड़ियों के बीच तीखी बहस हुई। एशिया कप में दोनों कप्तानों के बीच हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस की घटना ने उनके मुकाबले से पहले बढ़ते तनाव की कहानी को और हवा दे दी जिससे 14 सितंबर के लिए माहौल तैयार कर दिया। भारत और पाकिस्तान के बीच एशिया कप का बहु-चर्चित मुकाबला 14 सितम्बर को खेला जाएगा।

एशिया कप में सही संयोजन तलाशने के साथ ही उपकप्तान शुभमन पर भी रहेंगी नजरें

मुम्बई (एजेंसी)। यूएई में आज से शुरु हुए एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारतीय टीम सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। इस टूर्नामेंट में टीम प्रबंधन की नजरें सही संयोजन तलाशने के साथ ही शुभमन गिल पर भी रहेंगी। इसका कारण है कि शुभमन को इस टूर्नामेंट में उपकप्तानी दी गयी है। इससे साफ संकेत है कि भविष्य में उन्हें इस प्रारुप में भी कप्तानी दी जाएगी। वैसे भी वर्तमान कप्तान सूर्यकुमार 34 साल के हो रहे और ऐसे में प्रबंधन भविष्य के लिए नये कप्तान भी तलाशेगा। सूर्यकुमार का हालांकि कप्तान के तौर पर रिकार्ड शानदार रहा है। उनका जीत का रिकॉर्ड 80 फीसदी है। उनका आक्रामक रुख टीम को आगे बढ़ने प्रेरित करता है। वहीं शुभमन को अचानक उपकप्तान बनाने से साफ है कि उन्हें ही भविष्य में टीम की कमान मिलेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उन्हें सभी प्रारुपों के लिए कप्तान बनाना चाहती है। अभी भारतीय टीम सभी प्रारुपों में काफी मजबूत है। वह एक साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीन-तीन टीम टीमें उतारने में सक्षम है। ऐसे में कप्तानी के लिए अलग-अलग खिलाड़ियों को भी आजमाना जरूरी है। सूर्यकुमार की बढ़ती उम्र को देखते हुए ये जरुरी भी है। अगर शुभमन इस दौरे में अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो उनके भविष्य में टी20 कप्तानी बनने की पूरी संभावना है।

एशिया कप : सभी मैच अबू धाबी में खेलना आदर्श नहीं, मैच से पहले राशिद खान ने शेड्यूल पर उठाए सवाल

दुबई (एजेंसी)। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को साफ तौर पर कहा कि हर मैच के दिन दुबई में रहना और लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबू धाबी आना उनकी टीम के लिए 'आदर्श' कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए जब उनकी टीम उसी शाम अबू धाबी में हांगकांग से भिड़ने वाली है।

राशिद ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा, 'मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - यही बात हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। अबू धाबी में खेलना और तीनों मैच दुबई में ही बिताना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते, हमें इन बातों को स्वीकार करना होगा।' टी20आई में 170 विकेट लेने वाले राशिद ने यह भी कहा कि एक पेशेवर खिलाड़ी के तौर पर उन्हें शेड्यूल को भूलकर खेल पर ध्यान केंद्रित

करना होता है। अफगानिस्तान के स्पिन ने कहा, 'एक बार जब आप मैदान में उतरते हैं, तो आप बाकी सब कुछ भूल जाते हैं। दूसरे देशों में, हम अक्सर दो-तीन घंटे की उड़ान भरते हैं और सीधे मैच देखने पहुंच जाते हैं। मुझे याद है कि एक बार मैं बांग्लादेश से अमेरिका गया था और सीधे मैच खेला था।'

श्रीलंकाई कप्तान चरित असलांका ने भी शेड्यूल के बारे में बात की, जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ एक कठिन सीरीज के बाद उनकी टीम को आराम करने और स्वस्थ होने का बहुत कम समय मिला है। उन्होंने कहा, 'अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए।' असलांका ने कहा, 'नहीं, मेरा मतलब है कि 6 और 7 सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच खेलना वाकई मुश्किल है। और फिर सीधे यहां (दुबई) आना। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे।' उन्होंने कहा, 'अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है। हम सभी जानते हैं कि वहां बहुत गर्मी है। मेरे लिए पहले मैच में तरोताजा रहना और अपना पूरा जोर लगाना बहुत जरूरी है।'

ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी काफी क्रिकेट बची है : हेजलवुड

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज श्रृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है। कमिंस कमर में खिंचाव की चोट से जूझ रहे हैं तथा स्टार्क ने टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है जिसके कारण माना जा रहा है कि ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजी इतिहास के एक युग का अंत निकट है। हेजलवुड स्वयं चोटों से जूझ रहे हैं लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि तीनों गेंदबाजों में से कोई भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बारे में नहीं सोच रहा है। एसईएन रेडियो ने हेजलवुड के हवाले से कहा, 'मुझे नहीं लगता कि हम अभी कुछ कहने की स्थिति में हैं। हर कोई टेस्ट क्रिकेट को पसंद करता है और अगले दो वर्ष में काफी टेस्ट मैच खेले जाने हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का एक और चक्र होना बाकी है। इसलिए केवल एशेज ही नहीं टेस्ट क्रिकेट में अगले दो साल में काफी रोमांचक मैच होने वाले हैं और मुझे लगता है कि हर कोई इनका हिस्सा बनना चाहता है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट को देने के लिए अभी काफी कुछ बचा है।'

रोहित को अस्पताल में देखकर प्रशंसक हुए चिंतित

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा सोमवार देर रात यहां के कोकिलाबन अस्पताल पहुंचे जिसके बाद से ही प्रशंसक चिंतित को गये हालांकि रोहित के अस्पताल पहुंचने का कारण अभी पता नहीं चला है। इसका एक वीडिया भी सामने आया है। इसमें रोहित टी शर्ट पहने और कैप लगाये अस्पताल के अंदर प्रवेश करते हुए दिखे। वीडियो के सामने आने के बाद प्रशंसकों ने उनके अस्पताल आने के कारणों का पता लगाने का काफी प्रयास किस पर कुछ पता नहीं चला। प्रशंसकों ने हालांकि उनके प्रति समर्थन और शुभकामनाएं जतायीं। गौरतलब है कि रोहित के प्रशंसक उनकी काफी समय से खेल में वापसी की राह देख रहे हैं। रोहित ने पहले ही टेस्ट और टी20 को अलविदा कह दिया था और अब वह केवल एकदिवसीय ही खेलते हैं। आईपीएल 2025 और चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही वह खेल के मैदान से दूर हैं। हाल ही में, रोहित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में अपने फिटनेस टेस्ट के लिए बेंगलुरु गए थे, जो उन्होंने पास कर लिया था। रोहित की कप्तानी में भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल जीता था। उन्होंने इंग्लैंड दौरे से ठीक पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था। उन्होंने 67 मैचों में 40.58 की औसत से 4,301 रन बनाए हैं, जिसमें 12 शतक शामिल है। रोहित अब अगले माह ऑस्ट्रेलिया दौरे में ही खेलते दिखेंगे।

सात्विक-चिराग की जोड़ी के साथ किरण जॉर्ज हांगकांग ओपन में आगे बढ़े

हांगकांग (एजेंसी)। सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई।

पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया। विश्व रैंकिंग की पूर्व नंबर एक जोड़ी मुकाबले के शुरूआती गेम में अच्छी लय में दिखी लेकिन उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को दूसरे गेम में वापसी करने का मौका दे दिया। तीसरे गेम में सात्विक और चिराग ने हालांकि

अपने चिर-परिचित अंदाज में नेट का शानदार इस्तेमाल करते हुए कुछ दमदार स्मैश लगाकर शानदार वापसी की।

आठवीं वरीयता प्राप्त यह जोड़ी अब जापान के केनया मित्सुहाशी और हिरोकी ओकामुरा तथा थाईलैंड के पीरचाई सुखफुन और पक्कापोन टीरारत्सुकुल के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी। पुरुष एकल वर्ग में किरण ने क्वालीफायर में लगातार दो जीत हासिल करके मुख्य ड्रॉ में अपनी जगह बनाई। उन्होंने मलेशिया के चियाम जून वेई को 21-14, 21-13 से हराने के बाद हमवतन एस शंकर मुथुसामी सुब्रमण्यम को 21-18, 21-14 से मात दी।

शंकर ने इससे पहले शुरुआती मुकाबले में इंग्लैंड के वांग यू हैंग को 21-10, 21-5 से हराया था। विश्व रैंकिंग में 38वें स्थान पर काबिज किरण का अगला मुकाबला सिंगापुर के जिया हेंग जेसन तेह से होगा। थारुन मन्नेपल्ली ने दिन का सबसे बड़ा उलटफेर करते हुए पूर्व विश्व नंबर 1 किदांबी श्रीकांत को क्वालीफायर के पहले मुकाबले में 28-26, 21-13 से हराकर बाहर का रास्ता दिखा। 20 साल का यह खिलाड़ी हालांकि अपनी लय बरकरार नहीं रख सका और अगले मैच में मलेशिया के चौथे वरीय जस्टिन होह से 21-23, 13-21, 18-21 से हार गया।

लुइस सुआरेज पर तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध, एक कर्मचारी पर थूकने के कारण एक्शन

न्यूयॉर्क। इंटर मियामी के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज पर मेजर लीग सॉकर (ऋ्रऋ) ने तीन मैचों का अतिरिक्त प्रतिबंध लगा दिया है। लीग ने सोमवार को बताया कि लीग कप के फाइनल में सिएटल साउंडर्स के एक कर्मचारी पर थूकने के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया है। लीग ने सोमवार को यह जानकारी दी। इस प्रतिबंध के साथ 38 वर्षीय खिलाड़ी की सजा कुल 9 मैचों तक बढ़ गई है। टूर्नामेंट आयोजकों ने सुआरेज पर पहले ही छह मैचों का प्रतिबंध लगा दिया था, जिससे वह अगले साल होने वाले लीग कप में नहीं खेल पाएंगे। यह नया प्रतिबंध एमएलएस मैचों पर लागू होता है, जिसका अर्थ है कि वह 13 सितंबर को चार्लोट एफसी, 16 सितंबर को सिएटल और 20 सितंबर को डीसी यूनाइटेड के खिलाफ होने वाले लीग मैचों में नहीं खेल पाएंगे। यह विवाद पिछले महीने हुए फाइनल में मियामी की सिएटल से 3-0 की हार के बाद हुआ था। सुआरेज ने ओबेद वर्गास का गला पकड़ लिया था, जिसके बाद सर्जियो बुस्केट्स ने मिडफील्डर की ठोड़ी पर वार किया था। उरुग्वे के इस फारवर्ड को टीम के साथियों ने तब रोका जब वह साउंडर्स के सुरक्षा निदेशक जीन रामिरेज पर थूक रहे थे। बुस्केट्स और टॉमस एविलेस को इस झड़प में हिंसक व्यवहार के लिए क्रमशः दो और तीन मैचों का प्रतिबंध लगाया गया, जबकि साउंडर्स के सहायक कोच स्टीवन लेनहार्ट को पांच मैचों के लिए निलंबित कर दिया गया और शेष सीजन के लिए उनके फील्डिंग अधिकार छीन लिए गए। सुआरेज, जिन्हें पहले काटने और नस्लीय दुर्व्यवहार के लिए निलंबन का सामना करना पड़ा था, ने सोशल मीडिया पर माफी मांगी और अपने कृत्य को हताशा से उपजी एक 'गलती' बताया। उन्होंने लिखा, 'यह वह छवि नहीं है जो मैं अपने परिवार या अपने क्लब के सामने पेश करना चाहता हूं।'

लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन में उलझे- पूर्व स्पिनर ने अय्यर की एशिया कप से अंदेखी का कारण बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि श्रेयस अय्यर को भारत की एशिया कप टीम से बाहर करने का फैसला मध्य क्रम में दाएं और बाएं बल्लेबाजों का संयोजन बनाए रखने की रणनीतिक चाल के कारण हुआ। 2024 के लिए BCCI की केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर होने के बाद से श्रेयस ने मैदान पर शानदार प्रदर्शन किया है। अपनी शानदार फॉर्म के दम पर उन्होंने पंजाब किंग्स को IPL 2025 के फाइनल में पहुंचाया, जो पिछले एक दशक में फ्रैंचाइजी का पहला फाइनल था। इस शानदार लीग में 50 से ज्यादा की औसत से 604 रन बनाने के बाद श्रेयस ने 15 सदस्यीय टीम में जगह बनाने के लिए खुद को एक मजबूत दावेदार बना लिया। उन्हें भारतीय टीम से और यहां तक कि यात्रा करने वाले रिजर्व खिलाड़ियों से भी नजरअंदाज कर दिया गया, जिससे प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों में आक्रोश फैल गया। जहां पूर्व क्रिकेटरों और प्रशंसकों ने प्रबंधन के चयन पर सवाल उठाए हैं, वहीं मिश्रा ने एक ऐसी रणनीतिक रूपरेखा की पहचान की जिसने अय्यर को टीम में शामिल करने के खिलाफ काम किया। मिश्रा के अनुसार, चूंकि 30 वर्षीय अय्यर तीसरे या चौथे नंबर पर खेलते हैं इसलिए बाएं-दाएं संयोजन बनाए रखने की चाहत अय्यर के खिलाफ गई। मिश्रा ने कहा, 'मुझे लगता है कि श्रेयस तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते हैं, टीम प्रबंधन ने सोचा होगा कि बाएं और दाएं हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बेहतर होता। एशिया कप एक लंबा टूर्नामेंट है। मुझे लगता है कि श्रेयस बाएं-दाएं हाथ के बल्लेबाजों के संयोजन में फंस गए।' इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से बाहर होने के बाद भी मिश्रा भविष्य में अय्यर की वापसी को लेकर 100 प्रतिशत आश्वस्त हैं। मिश्रा का मानना है कि ऐसी कई सीरीज हैं जहां अय्यर अपनी क्षमता साबित कर सकते हैं और टीम में अपनी जगह वापस पा सकते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'आने वाले समय में कई सीरीज हैं। उनके पास काफी समय है। मुझे 100 प्रतिशत यकीन है कि वह वापसी करेंगे। शायद इसीलिए वह टीम में नहीं हैं। मुझे नहीं लगता कि वह अपनी खराब फॉर्म की वजह से टीम से बाहर हैं।

धोनी के कारण मुझे अलग-अगल भूमिकाएं तलाशनी पड़ीं : कार्तिक

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक ने कहा है कि महेन्द्र सिंह धोनी के आने के बाद से ही उनके लिए टीम में जगह बनाना कठिन हो गया। इसी कारण उन्हें अलग-अलग भूमिकाओं में उतरना पड़ा। कार्तिक ने साल 2004 में धोनी से तीन माह पहले भारतीय टीम की ओर से पदार्पण किया था पर शुरुआती कुछ मैचों के बाद ही धोनी के टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में अपनी जगह बना ली। जिससे उनके लिए जगह हासिल करना कठिन हो गया था।

हाल ही में एक कार्यक्रम में कार्तिक ने पुरानी बातों को याद कर कहा कि धोनी ने अपने करियर की शुरुआत में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया था। कार्तिक ने कहा, मैंने उन्हें ज्यादा खेलते नहीं देखा था पर केन्या में उस ए सीरीज के दौरान, हर कोई एक खिलाड़ी की चर्चा कर रहा था, क्योंकि वह कुछ नया लेकर आया था। जिस ताकत से वह गेंद को मारता था, लोगों का कहना था कि उन्होंने ऐसा पहले कभी नहीं देखा था। कुछ तो उनकी तुलना गैरी सोबर्स से भी कर रहे थे, जो अपने लंबे छक्कों के लिए जाने जाते थे। तब धोनी की तकनीक बिल्कुल अलग थी और वह गेंद को इतनी जोर से मार रहे थे जितना लोगों ने पहले कभी नहीं देखा था। उस समय यही चर्चा थी।

कार्तिक ने कहा, उस समय भारत राहुल द्रविड़ को विकेटकीपर के विकल्प के रूप में इस्तेमाल कर रहा था। लेकिन द्रविड़ ने बाद में ये भूमिका निभाने से इंकार कर दिया था। उन्होंने कहा, मैं केवल अपनी बल्लेबाजी पर ध्यान देना चाहता हूं। विकेटकीपिंग करने में मेरा शरीर बहुत मेहनत कर रहा है। इसलिए टीम ने एक अच्छे विकेटकीपर की तलाश शुरू कर दी। इसी दौरान मुझे विकेटकीपिंग का अवसर मिला पर धोनी के आने के बाद हालात बदल गये। इसके बाद मुख्य विकेटकीपर की जिम्मेदारी उन्हें मिलने लगी। जब वह आए, तो उन्होंने सभी को पूरी तरह से प्रभावित कर दिया। बहुत जल्द, वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भी छा गये थे।

इस क्रिकेटर ने कहा, जब ऐसा कोई खिलाड़ी सामने आता है, तो आपको स्वयं से पूछना चाहिए कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ रूप सामने लाने के लिए क्या कर सकता हूं? इसलिए मैं अलग- अलग भूमिका में आने लगा। कहीं शुरुआती बल्लेबाज की जगह होती तो मैं उसके लिए पहुंच जाता था। इसी तरह मध्य क्रम में कोई जगह खाली होती, तो मैं वहाँ बल्लेबाजी करने का अनुरोध करता और हमेशा टीम में जगह बनाने के तरीके तलाशता रहा पर मेरे लिए उस जगह को बचाए रखना आसान नहीं था। मैं खुद पर इतना दबाव डालता था कि कई बार, मैं उस जगह के साथ न्याय नहीं कर पाता था जिसकी वास्तव में जरूरत थी।

उन्होंने आगे कहा, उस सफर में जो भी आपके सामने आए, उसके साथ तालमेल बिठाने का महत्व सीखा, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी, दृढ़ संकल्प और लचीलेपन की जरूरत। मैंने लगातार ऐसे काम किए जो ज्यादातर खिलाड़ियों के लिए असहज थे, जैसे अपने करियर के आखिरी पांच सालों में छठे या सातवें नंबर पर बल्लेबाजी करना। लेकिन मैंने

उस भूमिका को अपनाया और उसमें सफलता पाने के लिए अपनी खूबियों का इस्तेमाल किया।

मोर्केल ने एशिया कप से पहले कुलदीप की जमकर तारीफ की, कहा- वह एक बहुत ही पेशेवर एथलीट

स्पोर्ट्स डेस्क। टीम इंडिया के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल ने एशिया कप 2025 के शुरुआती मैच से पहले कुलदीप यादव की प्रशंसा की। कुलदीप ने पिछले साल टी20 विश्व कप फाइनल के बाद से सबसे छोटे प्रारूप टी20 में मेन इन ब्लू के लिए नहीं खेला। उन्हें आगामी महाद्वीपीय टूर्नामेंट के लिए टीम की 15 सदस्यीय टीम में चुना गया है। बाएं हाथ के स्पिनर को इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भी टीम में चुना गया था। लेकिन किसी भी मैच में उन्हें प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं किया गया। कुलदीप उम्मीद करेंगे कि एशिया कप में ऐसा न हो खासकर इसलिए क्योंकि टूर्नामेंट यूएई में हो रहा है और वहां की परिस्थितियां तेज गेंदबाजों की तुलना में स्पिनरों के लिए ज्यादा अनुकूल हैं। मोर्केल ने कहा, 'मुझे लगता है कि वह एक बेहद पेशेवर खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड में खेलने के बाद से उनका रवैया ऐसा ही है। जहां उन्हें बहुत कम खेलने का मौका मिला और अब भी वह वही खिलाड़ी हैं जो ओवर डालते हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'और मेरे लिए कुलदीप जैसा कि मैंने कहा उसने अपने करियर में बहुत सारे ओवर फेंके हैं। वह जानता है कि टी20 और सीमित ओवरों के क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए उसे क्या करना है और जैसा कि मैंने कहा हम केवल वही नियंत्रित कर सकते हैं जो हम अभी नियंत्रित कर सकते हैं और वह है जब हम अभी प्रशिक्षण करते हैं और जब हमारे सत्र होते हैं तो यह केंद्रित होता है इसके पीछे एक उद्देश्य होता है और हमारे पास लक्ष्य होते हैं।'

विद्युत जामवाल की हॉलीवुड डेब्यू फिल्म की शुरू हुई शूटिंग, निभाएंगे यह किरदार

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी अपकमिंग हॉलीवुड फिल्म स्ट्रीट फाइटर को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है और आधिकारिक तौर से विद्युत जामवाल इस फिल्म से जुड़ चुके हैं। मशहूर वीडियो गेम फ्रैंचाइजी पर आधारित इस फिल्म में कई मशहूर हॉलीवुड सितारों सहित एक बड़ी टीम शामिल है।

आधिकारिक तौर से फिल्म से जुड़े विद्युत पैरामाउंट पिक्चर्स ने लीजेंडरी एंटरटेनमेंट और कैपकॉम के साथ मिलकर शुक्रवार को फिल्म के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर पूरी कास्ट का खुलासा किया। प्रोडक्शन हाउस ने पोस्ट में लिखा अखाड़े में राज बहुत देर तक राज नहीं रहते। स्ट्रीट फाइटर की शूटिंग शुरू हो चुकी है। यह फिल्म 16 अक्टूबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टूर्नामेंट शुरू हो गया है! पोस्ट में सभी कलाकारों के नाम के साथ विद्युत जामवाल का भी नाम है।

विद्युत जामवाल का किरदार

मार्शल आर्ट के लिए मशहूर विद्युत जामवाल को स्ट्रीट फाइटर की दुनिया में एकमात्र भारतीय किरदार, धालसिम की भूमिका के लिए चुना गया है। धालसिम एक योगी है, जिसके पास आग उगलने की क्षमता है। वह मूल रूप से एक शांत व्यक्ति है, जो अपने परिवार का पालन-पोषण करने में लगा है। 16 अक्टूबर 2026 को रिलीज होने वाली इस फिल्म से विद्युत जामवाल हॉलीवुड डेब्यू करेंगे।

फिल्म की स्टारकास्ट

फिल्म स्ट्रीट फाइटर में विद्युत जामवाल के अलावा एंड्रयू कोजी, नोआ सेंटीनो, जेसन मोमोआ, कैलिना लियांग, रोमन रेन्स, ऑरविल पेक, कोडी रोड्स, एंड्रयू शुल्ज, जैक्सन और डेविड डस्टमलचियन जैसे कलाकार होंगे। फिल्म का निर्देशन फिल्म निर्माता किताओ सकुराई कर रहे हैं।

विद्युत जामवाल का काम

विद्युत जामवाल कमांडो और खुदा हाफिज जैसी एक्शन फिल्मों में मुख्य भूमिका निभा चुके हैं। वह आखिरी बार साल 2024 में आई फिल्म क्रैक में नजर आए थे। हालांकि यह फिल्म बहुत अच्छा नहीं कर पाई थी। विद्युत जामवाल अपने जबरदस्त एक्शन के लिए जाने जाते हैं।

'द बंगाल फाइल्स' में सिमरत कौर की दमदार एक्टिंग

विवेक अग्निहोत्री के निर्देशन में बनी द बंगाल फाइल्स सिनेमाघरों में रिलीज हो गई। फिल्म को यूजर्स द्वारा शानदार प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं। हालांकि, दर्शकों का सबसे ज्यादा अगर कोई ध्यान खींच रहा है, तो वो हैं सिमरत कौर रंधावा, जो फिल्म में भारती बनर्जी का किरदार निभा रही हैं। अब हर कोई जानना चाह रहा है कि आखिर कौन हैं सिमरत कौर।

पंजाब से आती हैं सिमरत कौर

सिमरत कौर रंधावा का जन्म मुंबई के एक सिख परिवार में हुआ था। कंप्यूटर साइंस में स्नातक करने के बाद सिमरत ने अभिनय की तरफ रुख किया और कॉलेज के दिनों से ही एक्टिंग के कार्यक्रमों में भाग लेने लगीं।

अभिनय करियर की शुरुआत

सिमरत कौर ने अपने करियर की शुरुआत तेलुगु फिल्म से की थी। उनकी पहली फिल्म का नाम था 'प्रेमथो मी कार्तिक', जो एक रोमांटिक-ड्रामा फिल्म थी। इसके बाद सिमरत ने कई तेलुगु फिल्मों में अभिनय किया जिनमें 'परिचयम', 'डर्टी हरि' और 'बंगराजुम' शामिल हैं।

म्यूजिक वीडियोज में भी आई नजर

तेलुगु फिल्मों के अलावा सिमरत कौर पंजाबी म्यूजिक वीडियोज में भी दिखाई दे चुकी हैं, जिनमें हिम्मत संधू द्वारा गाया गया 'बुर्ज खलीफा' और लारा लप्पा, जीजी सिंह की 'लोफर' और मीका सिंह के 'तेरे बिन जिंदगी' जैसे गानें शामिल हैं।

द बंगाल फाइल्स से फिर आई चर्चा में

सिमरत कौर इस समय द बंगाल फाइल्स में नजर आ रही हैं, जो 5 सितंबर को रिलीज हुई। इस फिल्म में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी जैसे किरदार नजर आ रहे हैं।

'गदर 2' से खींचा सबका ध्यान

तेलुगु, पंजाबी के अलावा अभिनेत्री ने बॉलीवुड फिल्मों में भी काम किया है। सिमरत कौर ने 2023 में रिलीज हुई फिल्म गदर 2 में उत्कर्ष शर्मा की पत्नी और सनी देओल की बहू मुस्कान की भूमिका निभाई थी। इसने भी उन्हें पहचान दिलाई थी। इस फिल्म के बाद एक्ट्रेस ने वनवास में अभिनय किया, जिसमें नाना पाटेकर मुख्य भूमिका में थे, उनके साथ राजपाल यादव, खुशबू सुंदर और अश्विनी कालसेकर भी थीं।

तेजा सज्जा की फिल्म मिराय को लेकर करण जौहर ने किया खास पोस्ट

बॉलीवुड निर्माता और निर्देशक करण जौहर ने आज अपने सोशल मीडिया हैंडल पर तेजा सज्जा के साथ कई शानदार तस्वीरें शेयर कीं। इसके साथ ही करण ने फिल्म मिराय को लेकर बताया कि उन्हें इस फिल्म को प्रस्तुत करते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है।

करण जौहर और तेजा सज्जा करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर तेजा सज्जा की आगामी बहुप्रतीक्षित फिल्म मिराय को लेकर एक खास पोस्ट शेयर किया है। इन तस्वीरों में तेजा और करण साथ में पोज देते नजर आ रहे हैं। करण ने इन शानदार तस्वीरों के साथ कैप्शन में लिखा, ऐसी फिल्में सिर्फ सेट और लोकेशन से नहीं बनतीं। अक्सर ये एक नजरिए, जुनून और पूरी दुनिया का मनोरंजन करने की अदम्य चाहत से बनती हैं। बिना ज्यादा कहे भी बहुत कुछ कह जाती हैं।

मिराय को लेकर करण जौहर की राय

करण ने आगे लिखा, मिराय एक ऐसी फिल्म है, जिसने मुझे बेहद मंत्रमुग्ध कर दिया है और इसे प्रस्तुत करते हुए मुझे बहुत गर्व और सम्मान का अनुभव हो रहा है। आगे करण जौहर ने लिखा, मिराय 12 सितंबर को दुनिया भर में रिलीज हो रही है और उत्तर भारत में इसे धर्मा प्रोडक्शन रिलीज कर रहा है।

फिल्म मिराय के बारे में

मिराय में तेजा सज्जा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म में तेजा के साथ श्रिया सरन भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। श्रिया सरन फिल्म 'मिराय' में अंबिका के किरदार में नजर आएंगी। फिल्म 'मिराय' को कार्तिक गट्टमनेनी ने डायरेक्ट किया है।

वैश्विक मंच पर भूमि पेडनेकर ने किया भारत का प्रतिनिधित्व

भारतीय सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री भूमि पेडनेकर अक्सर सामाजिक मुद्दों पर अपनी राय रखते हुए नजर आती हैं। सामाजिक और पर्यावरणीय मुद्दों पर मुखर रहने वाली भूमि अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करती नजर आईं। स्विट्जरलैंड में आयोजित यंग ग्लोबल लीडर्स समिट 2025 में हिस्सा लेने वाली वो पहली भारतीय अभिनेत्री बन गई हैं। ये आयोजन विश्व आर्थिक मंच के तत्वावधान में हुआ, जहां दुनिया के अलग-अलग क्षेत्रों से आए युवा लीडर्स ने वैश्विक चुनौतियों और बदलाव की दिशा में अपने विचार शेयर किए।

भूमि ने भारत का किया प्रतिनिधित्व

भूमि पेडनेकर के करियर को अगर देखें तो उन्होंने हमेशा अपने काम से हटकर भी समाज के लिए योगदान दिया है। फिल्मों में सशक्त किरदार निभाने के अलावा वो लगातार पर्यावरण को लेकर सक्रिय रही हैं। जिनेवा के इस मंच पर उनकी मौजूदगी भारतीय फिल्म जगत के लिए गौरव की बात रही। भूमि ने सोशल मीडिया पर भी अपनी झलकियां साझा कीं, जिनमें वो इस प्रतिष्ठित सम्मेलन का हिस्सा बनती दिखीं। भूमि को लंबे समय से क्लाइमेट वॉरियर कहा जाता है। उन्होंने कई बार टिकाऊ जीवनशैली, नवीकरणीय ऊर्जा और पर्यावरण संरक्षण पर जोर दिया है। हाल ही में दिल्ली में हुए आई क्लाइमेट समिट 2025 में उन्होंने पॉप कल्चर और जलवायु परिवर्तन को जोड़ते हुए कहा था कि फिल्मों और कला के जरिए जागरूकता पैदा करना बेहद जरूरी है। उनका मानना है कि जब तक लोकप्रिय संस्कृति में बदलाव नहीं आएगा, तब तक समाज पर स्थायी असर डालना मुश्किल है।

पॉप कल्चर से बदलाव की कोशिश

भूमि का कहना है कि फिल्मों के पात्रों और कहानियों में भी यह दिखना चाहिए कि व पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार जीवन जी रहे हैं। उनका विश्वास है कि अगर सिनेमा में बदलाव लाया जाए तो उसका असर आम लोगों की सोच पर पड़ेगा। इसी सोच के चलते उन्होंने क्लाइमेट वॉरियर पहल शुरू की थी, जो आज एक आंदोलन का रूप ले रही है।

भूमि पेडनेकर का वर्कफ्रंट

भूमि के करियर वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्होंने बॉलीवुड में आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म दम लगाके हईशा के साथ शुरआत की थी। उनकी हालिया कुछ फिल्मों में भीड़ (2023), अफवाह, भक्षक और द लेडी किलर शामिल है।

अच्छे एक्टर्स को सराहा जाना जरूरी, लोग अब मुझे झेंडे काका बोलना शुरू कर देंगे

मनोज बाजपेयी इस वक्त अपनी नई फिल्म इंस्पेक्टर झेंडे को लेकर चर्चा में हैं, जो ह्रअ्र प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हो चुकी है। फिल्म के साथ-साथ मनोज बाजपेयी की एक्टिंग की भी खूब तारीफ हो रही है। वह जल्द ही राम गोपाल वर्मा की पुलिस स्टेशन में भूत और शेखर कपूर की मासूम 2 में भी नजर आएंगे।

सत्या का भीखू म्हात्रे आपके लिए टर्निंग पॉइंट रहा, अब आप 30 साल बाद दोबारा राम गोपाल वर्मा के साथ फिल्म पुलिस स्टेशन में भूत कर रहे हैं। ये करिश्मा कैसे हुआ?

असल में, सत्या के री रिलीज होने के बाद एक दिन रामू जी (राम गोपाल वर्मा) का मैसेज आया कि सत्या ने मुझे इतना प्रेरित किया कि मुझे फिर वैसी फिल्म बनानी है। कुछ दिन बाद उन्होंने एक कहानी भेजी, जो बहुत ही आउट ऑफ बॉक्स और क्रेजी थी। वह हॉरर कॉमेडी जॉनर में थी, जो मैंने कभी छुआ नहीं था तो मेरे लिए यह एक बहुत बड़ा मौका था, एक अपने मेंटॉर के साथ काम करने का और दूसरे हॉरर कॉमेडी जॉनर में हाथ आजमाने का, तो मैंने कर लिया।

राम गोपाल वर्मा पिछले कई सालों से जैसी फिल्में बना रहे हैं, आपको लगता है कि उनके भीतर का फिल्ममेकर अभी बचा है?

बचा ही नहीं, बहुत ज्यादा है। अभी आप उनसे मिलेंगी तो आपको भी अंदाजा हो जाएगा। जिस राम गोपाल वर्मा की आप बात कर रही हैं, वो आप 12-14 साल की कर रही हैं और हर आदमी के जीवन में कुछ साल ढलान आता है। रामू जी ने भी वह उतार देखा, पर आज लगता ही नहीं है कि वह इधर के 14 साल वाले रामू हैं। मुझे वो भीखू म्हात्रे वाले दौर के रामू लगे। वही आग, वही जुनून। हमारा एक शेड्यूल खत्म हो गया और उनकी काबिलियत देखकर मैं दंग रह गया। आज की तारीख वह आदमी सिर्फ फिल्म और शॉट के बारे में ही सोच रहा है। उनके सोशल मीडिया एक्स पर जाइए, तो कई महीने के बाद उन्होंने स्ट्रे डॉग्स को लेकर अपनी राय दी थी, वरना ङ्क से भी वह अब गायब ही रहते हैं।

शूल और भोसले में पुलिस की यादगार भूमिका करने के बाद इंस्पेक्टर झेंडे को नया रंग देने के लिए मशक्कत करनी पड़ी?

बिल्कुल मेहनत लगी। इस तक पहुंचने में हमको काफी समय लगा। शूटिंग से पहले 15-20 दिन रीडिंग और कई तरह की तैयारी की। लेकिन आप जिन फिल्मों का जिक्र कर रही हैं, इसकी दुनिया उनसे एकदम ही अलग है। इसका समय, परिस्थिति, यह इंसान बिल्कुल अलग है। मैंने अब तक जो भी किरदार किए हैं, मधुकर झेंडे उससे पूरा उलटा है।

आपकी सीरीज द फैमिली मैन का तीसरा सीजन भी आने वाला है, जिसमें अबकी जयदीप अहलावत भी दिखेंगे। आप लोगों की बॉन्डिंग कितनी मजबूत हुई?

जयदीप अहलावत बहुत ही होनहार एक्टर हैं। पाताल लोक में उन्होंने बहुत ही अच्छा काम किया था। वो हों, विजय वर्मा हों या सनी हिंदुजा, ये एक्टर जब भी कुछ अच्छा काम करते हैं तो मेरी उनसे बात होती है। इनका काम मुझे काफी पसंद आता है और मेरा मानना है कि एक अच्छे एक्टर्स को फोन करके बोलना कि तुमने अच्छा काम किया, यह बहुत जरूरी है। ये इंडस्ट्री के वो होनहार और काबिल एक्टर्स हैं, जो इंडस्ट्री की दशा और दिशा बदलेंगे और जयदीप में वो काबिलियत है।

इंस्पेक्टर झेंडे इंटरनैशनल किलर चार्ल्स शोभराज को दो बार पकड़ने वाले मधुकर झेंडे की बायोपिक है। ऐसी फिल्मों में अक्सर बैड बॉयज नायक से ज्यादा चर्चा पा जाते हैं?

मैं इससे बिल्कुल सहमत नहीं हूं। वो आकर्षक तो होते हैं और फिल्म में इस रोल में जिम सर्भ ने अद्भुत काम किया है, मगर यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप एक किरदार को कैसे निभाते हैं। मुझे लगता है कि इंस्पेक्टर झेंडे देखने के बाद लोग मुझे झेंडे काका बोलना शुरू कर देंगे। जैसे, द फैमिली मैन का श्रीकांत है, उसका नाम भी तो सबके दिल और जुबान पर चढ़ा तो पॉजिटिव किरदार भी अगर राइटर अच्छे से लिखे, डायरेक्टर अच्छे से डायरेक्ट करे और एक्टर अच्छे से परफॉर्म करे तो वे उतने ही आकर्षक लगेंगे, जितने कि बैड बॉयज।

आप शेखर कपूर की कल्ट फिल्म मासूम का सीक्वल भी कर रहे हैं। आपको लगता है ऐसी आइकॉनिक फिल्मों को छेड़ा जाना चाहिए?

अब वो तो शेखर कपूर की ही फिल्म है। उन्हीं की कृति है और वही दोबारा बना रहे हैं तो वह जैसे चाहे, बनाएं। मैंने अपनी पहली फिल्म (बैंडिट क्वीन) उनके साथ की है। जब मैं थिएटर में काम कर रहा था, तब उन्होंने मुझे कास्ट किया था तो उन्होंने कहा कि इसमें एक किरदार करना है तो मैंने बोला, बिल्कुल सर, आप जब बोलेंगे मैं आ जाऊंगा, लेकिन यह बातचीत वहीं तक है। अभी उससे आगे बात नहीं हुई है।

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I. No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।